तापमान
अधिकतम 37 .7 डिग्री
न्यूनतम 25 .3 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 14 जुलाई 2024

9 कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा का एक सप्ताह ...

10 इंडस पब्लिक स्कूल में अंतर सदनीय खेल प्रतियोगिता ...

BABA MASTNATH UNIVERSITY

Asthal Bohar, Rohtak-124021 (Haryana)

(Unique Blend of Science and Spirituality)

Mahant Balaknath Ji Yogi
Chancellor, BMU

Awarded With
India's Best Quality Award

New Normal 2023
EDUCATION LEADERSHIP SUMMIT & AWARDS
NEW DELHI
21st-22nd July
Outstanding University in Innovative Teaching and Learning Practices 2023

65+ Yrs. In Education
5200+ Placed Student
25000+ Regi. Alumni
15000+ Students
500+ Faculty
80+ Programmes
50+ Departments
150+ Acres Land
1800+ Res. Paper Published

ADMISSIONS OPEN 2024-25

Get upto 100% Scholarship

NEP 2020 Syllabus | Internship & Placement Support | Skill Enhancing Courses

PROGRAMMES OFFERED

FACULTY OF ENGINEERING

B.Tech.-Computer Science and Engg.
-AIML
-Data Science
-Cyber Security
-IOT & Blockchain
-Comp. Animation & Gaming
B.Tech.-Civil Engg.
-Transportation Engg.
-Structural Engg.
B.Tech. (Mechanical Engg.)
B.Tech. (Electronics & Comm. Engg.)
M.Tech. (Computer Science and Engg.)
M.Tech. (Civil Engg.)
-Transportation Engg.
-Structural Engg.

FACULTY OF HUMANITIES

B.A. (Bachelor of Arts)
B.A. (Bachelor of Arts) Hons. with Research
B.A. (Bachelor of Arts) English (Hons.)
B.A. J.M.C.
B.A. J.M.C.- Hons. with Research
B.Lib. & Info. Science
Shastri
M.A.-Hindi
M.A.-English
M.A.-History
M.A.-Pol. Sc.
M.A.-Economics
M.A.-Education
M.A.-Sociology
M.A.-Pub. Admin.
M.A.-Geography
M.A.-J.M.C.
M.A.-Sanskrit
M. Lib. & Info. Science
DIPLOMA
-Leadership & Management
-Guidance & Counselling
-Early Childhood Care & Education

FACULTY OF PHARMACY

D. Pharm.
B.Pharm.
M.Pharm.-(Pharmaceutics)
M.Pharm.-(Pharmacology)

FACULTY OF AYURVEDA

BAMS -Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery

FACULTY OF PHYSIOTHERAPY

BPT (Bachelor of Physiotherapy)
B.Sc.-Medical Lab Technology
B.Sc.-Ophthalmic Technology
MPT-Sports
MPT-Neurology
MPT-Orthopaedics
MPT-Cardiothoracic & Pulmonary Disorder

FACULTY OF SCIENCES

B.Sc.-(Hons.) Agriculture
B.Sc.-Mathematics
B.Sc.-Hons. in Mathematics
B.Sc.-Physics
B.Sc.-Hons. in Physics
B.Sc.-Chemistry
B.Sc.-Hons. in Chemistry
B.Sc.-Bio-Technology
B.Sc.-Hons. in Bio-Technology
B.Sc.-Home Science
B.Sc.-Hons. in Home Science
B.Sc.-Physical Sciences
B.Sc.-Physical Sciences with Major Mathematics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Physics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Chemistry
B.Sc.-Life Sciences
B.Sc.-Life Sciences with Major Botany
B.Sc.-Life Sciences with Major Zoology
B.Sc.-Life Sciences with Major Chemistry
M.Sc.-Physics
M.Sc.-Chemistry
M.Sc.-Botany
M.Sc.-Zoology
M.Sc.-Bio-Technology
M.Sc.-Mathematics
M.Sc.-Home Science

FACULTY OF MGT. AND COMM.

BBA
-Digital Marketing & Sales
-IT with AI-ML
-Marketing
-HR Management
-Finance
-International Business
-Entrepreneurship
-Hons. With Research
MBA
-IT with AI-ML
-Marketing
-HR Management
-Finance
-International Business
-Entrepreneurship
B.Com
-General
-Professional-CA Stream
-Professional-CS Stream
-Hons. With Research
M.Com.
BCA
-General
-Data Science
-AI & ML
-Graphics & Animation
MCA
-General
-Data Science
-AI & ML
-Graphics & Animation

Newly Introduced Programmes:-

- **B.Sc. -(Hons.) Agriculture**
- **B.Sc. -Medical Lab Technology**
- **B.Sc. -Optometry**

FACULTY OF LAW

B.A. LL.B. - (5 Years Integrated Programme)
LL.B. - (3 Years)
LL.M. - (2 Years)

FACULTY OF NURSING

***ANM** - (2 Years)
***GNM** - (3 Years)
Post Basic B.Sc. Nursing -(2 Years after GNM)

Ph.D.-Available in All Streams

WHY TO CHOOSE BMU

- ✓ Unique Blend of Science and Spirituality
- ✓ Quality Education at Affordable Fee
- ✓ Multi-disciplinary and Holistic Education
- ✓ Skill Development Programmes
- ✓ Research Projects in UG and PG Programs
- ✓ Innovation, Start-ups and Incubation Centre
- ✓ Indian Knowledge System Courses
- ✓ Office of International Student Affairs
- ✓ Youth Skilling and Competitive Examination Centre
- ✓ Training and Placement Facilities
- ✓ UNO Academic Impact Membership

SALIENT FEATURES

- » Wi-fi Campus
- » 24x7 Electricity
- » Well stocked Libraries
- » Well equipped Laboratories
- » Separate Hostel for Boys/Girls
- » Air-Conditioned Auditorium
- » NCC, NSS, & Youth Red Cross Units
- » Hospitals having modern Equipments
- » CCTV Enabled Safe & Secure Campus

Scan to visit website

ESCORTS | sona | CAPARO FASTENERS Secure. For Sure. | HNG OPEN YOUR WORLD | TATA CONSULTANCY SERVICES
SURYA | भारतीय सेना | Infosys | HCL | MARUTI SUZUKI

+91-9053066636, 8683888830/31/32 || www.bmu.ac.in

खबर संक्षेप

धामड़ और लाढ़ौत में किशोरी मेला आयोजित

रोहतक। जिले के धामड़ और लाढ़ौत गांव में किशोरी मेले का आयोजन किया गया। इस मेले के दौरान बताया गांव समुदाय में जो समस्याएं आती हैं, उनको लेकर के हम कैसे समाधान निकाल सकते हैं। इस मेले में दिखाया गया और बताया गया कि हम उन समस्याओं को कैसे एक ग्रुप के माध्यम से हल कर सकते हैं। इसमें बताया गया कि गांव में किशोर और किशोरियों को अपने सपनों तक पहुंच बनाने के लिए कैसे वह गांव के मुखिया के सामने अपनी बातचीत रखते हैं जैसे लाइब्रेरी का मुद्दा गलियों में रोशनी का मुद्दा पब्लिक ट्रांसपोर्ट पानी की समस्या इन सभी को लेकर के एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

जनता इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के साथ

रोहतक। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और शोरी क्लॉथ मार्केट के प्रधान गुलशन ईशपुनियानी ने कहा कि कई राज्यों में हुए उपचुनावों के नतीजों ने बता दिया है कि जनता पूरी तरह से इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के साथ है। उन्होंने कहा भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा हरियाणा में विधानसभा चुनाव में भाजपा को करारी हार मिलेगी और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। भूपेंद्र सिंह हुड्डा हरियाणा के मुख्यमंत्री होंगे। जनता भाजपा के झूठ से परेशान हो चुकी है और कांग्रेस की नीतियों में विश्वास व्यक्त कर रही है।

लूटेरों ने वाहन चालक से छीनी सोने की चेन

खरखौदा। झरोठ गांव के पास स्थित एक पेट्रोल पंप के पास दो युवकों ने एक वाहन चालक से चार तोले की सोने की चेन छीन ली और नुकीली वस्तु से प्रहार कर घायल करके फरार हो गए। झज्जर निवासी राजेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि वह झज्जर से सोनीपत जा रहा था। झरोठ गांव के पास स्थित एक पेट्रोल पंप पर उसने लघु शंका करने के लिए कार रोक दी। इस बीच मोटरसाइकिल पर दो युवक खरखौदा की तरफ से आए और उससे चाबी मांगने लगे।

कांग्रेस ने हमेशा दलितों को गुमराह और बहकाने का काम किया

दलित समाज को 17 से ज्यादा टिकट दे सकती है भाजजा: फणींद्र नाथ शर्मा

दलित समाज के कोई भी पांच काम चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा हमे बता दे : जरावता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय मंगल कमल में अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश कार्य समिति बैठक भारतीय जनता पार्टी के संगठन महामंत्री फणींद्र नाथ शर्मा के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और प्रत्येक जिले में पार्टी के अनुसूचित जाति समाज के वरिष्ठ नेताओं, मंत्रियों को जिले का पालक नियुक्त किया। राज्य सभा सांसद कृष्ण को पानीपत एवं फरीदाबाद जिला, बनवारी लाल केबिनेट मंत्री को हिसार एवं पलवल जिला, बिशम्बर बाल्मीकि को करनाल एवं भिवानी जिला, सुनीता दुग्गल पूर्व सांसद सिरसा को गुरुग्राम एवं फतेहाबाद जिला, पूर्व सांसद अशोक तंवर को झज्जर एवं महेंद्रगढ़ जिला, बंतों कटारिया प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा को कैथल एवं पंचकूला, रामअवतार बाल्मीकि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, एससी मोर्चा को यमुनानगर एवं अम्बाला जिला, सत्यप्रकाश जरावता व विधायक पटौदी को नूहं एवं रेवाड़ी जिला, कृष्ण कुमार बेदी पूर्व मंत्री प्रभारी एससी मोर्चा को कुरुक्षेत्र एवं जींद जिला, अमरनाथ सौदा को सोनीपत जिला, मक्खन सिंह प्रदेश महामंत्री एससी मोर्चा को सिरसा जिला, लक्ष्मण नापा को चरखी दादरी जिला तथा अशोक कटारिया को रोहतक जिले का पालक नियुक्त किया गया।

कार्यकर्ताओं का उत्साह को देखते हुए संगठन महामंत्री ने कहा कि हरियाणा विधानसभा में 17 सीटें एससी समाज के लिए आरक्षित हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने एससी समाज को पिछली बार 18 सीटो पर अवसर दिया अबकी बार फिर 17 से ज्यादा सीटो पर भारतीय जनता पार्टी एससी के उम्मीदवार दे सकती है। एससी मोर्चा की बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा एवं विधायक पटौदी सत्यप्रकाश जरावता मौजूद रहे।

बैठक के अंत में भारतीय जनता पार्टी से डॉक्टर अर्चना गुप्ता प्रदेश महामंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि एससी समाज भारतीय जनता पार्टी की रीड की हड्डी है और बीजेपी पार्टी में एससी समाज के जो व्यक्ति है चाहे वो सामाजिक संस्था से जुड़े

हुए है या चाहे कर्मचारी अधिकारी सेवानिवृत है प्रत्येक को जोड़कर सभी को सत्ता और संगठन में हिस्सा देने के लिए हमेशा आगे रहती है।

कई पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षाएं आज से प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स तथा एमडीयू-सीपीएएस गुरुग्राम में सत्र 2024-25 में पीजी पाठ्यक्रमों, एलएलबी ऑनर्स तीन वर्षीय पाठ्यक्रम तथा बीपीएड पाठ्यक्रम में एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षाएं 14 जुलाई से प्रारंभ होंगी। कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने बताया कि 14 जुलाई को प्रातः 10 बजे से 11.15 बजे तक एमएससी-बॉटनी, जूलॉजी, एनवायरमेंट साइंस, एनवायरमेंटल बायोटेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, जेनेटिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, फूड टेक्नोलॉजी तथा मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी इत्यादि पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी।

प्रो. तनेजा ने बताया कि 14 जुलाई को दोपहर 12.30 बजे से 1.45 बजे तक एमबीए, एमबीए-बिजनेस साइकोलोजी पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। 14 को ही अपराह्न 3 बजे से शाम 4.15 बजे तक एमएससी-फोरेंसिक साइंस, एमकॉम तथा एमए-समाजशास्त्र पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। कुलसचिव ने बताया कि 15 को प्रातः 10 बजे से 11.15 बजे तक एमएससी-केमिस्ट्री की प्रवेश आयोजित की जाएंगी। दोपहर 12.30 बजे से 1.45 बजे तक एमए-पत्रकारिता एवं जनसंचार, एमएससी-गणित पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। अपराह्न 3 बजे से शाम 4.15 बजे तक एमएससी-फिजिक्स, एमए-मनोविज्ञान तथा एमए-गाइडेंस एंड काउंसलिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

इस प्रकार होंगी परिक्षाएं

डॉ. तनेजा ने कहा कि 16 को प्रातः 10 बजे से 11.15 बजे तक एमए-राजनीति विज्ञान की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। दोपहर 12.30 बजे से 1.45 बजे तक एलएलबी आनर्स तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। अपराह्न 3 बजे से शाम 4.15 बजे तक एलएलएम पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। कुलसचिव ने बताया कि 17 को प्रातः 10 बजे से 11.15 बजे तक एमए-भूगोल, बीपीएड, एमपीएड की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। दोपहर 12.30 बजे से 1.45 बजे तक एमए-रक्षा एवं सामरिक अध्ययन, एमए-अर्थशास्त्र, एम.लिब साइंस, एमए-फाइन आर्ट्स (ड्राइंग एंड पेंटिंग), एमए-एजुकेशन, एमए-म्यूजिक वोकल, एमए-म्यूजिक इंस्ट्रूमेंटल सितार इत्यादि पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। अपराह्न 3 बजे से शाम 4.15 बजे तक एमए-योग विज्ञान पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रो. तनेजा ने बताया कि 18 को प्रातः 10 बजे से 11.15 बजे तक एमए-हिन्दी, एम.फार्मेसी-इंडस्ट्रियल फार्मेसी, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, फार्माकोलोजी, फार्माकोग्नोसी, ड्रग रेगुलेटरी एफेयर्स की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। दोपहर 12.30 बजे से 1.45 बजे तक एमसीए, एमएससी-कंप्यूटर साइंस, एमएससी-कंप्यूटर साइंस (डाटा साइंस एंड मशीन लर्निंग), एमए-हिन्दू स्टडीज पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। 18 जुलाई को अपराह्न 3 बजे से शाम 4.15 बजे तक एमए-अंग्रेजी पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी।

छात्रों ने गृह कार्य प्रदर्शनी में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद गृह कार्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय डायरेक्टर सुरेंद्र मलिक द्वारा किया गया। विद्यार्थियों द्वारा गणित में थ्रीडी से बनी मैथ्स शेप, इंडियन एंड इंटरनेशनल सिस्टम, एडिशन एंड सब्सट्रैक्शन आफ इंटिजर्स, ट्रिंगोनोमेट्री, ट्राएंगल्स , यूक्लिड ज्योमेट्री, सकेयर रूट, टाइप ऑफ़ सर्कल्स इन सकेयर, पाइथागोरस थ्योरम, हीरोन फार्मूला, रेशनल नंबर, जियो बोर्ड मॉडल आकर्षण का केंद्र बने। क्राफ्ट वर्क में विद्यार्थियों ने वेस्ट चीजों से पेपर सिटी, मार्केट सीन, म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट, गिटार बॉक्स, ड्रीम कैचर, अर्थन पोट, यारन डॉल, ज्वेलरी आदि विभिन्न कलाकृतियां बनाई व सुंदर चित्रों द्वारा पक्षियों के दाना-पानी की सहायता के लिए जागरूक किया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने सोलर सिस्टम, फोटोसिंथेसिस, इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन मॉडल, विंड टरबाइन, प्लांट सेल, न्यूक्लियस, डाइजेस्टिव सिस्टम, रेस्पिरेट्री सिस्टम, एक्स्क्रीयेटरी सिस्टम, ह्यूमन हार्ट के मॉडल द्वारा शरीर की रचना को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईटी में बच्चों ने कॉलेज मेकिंग ऑन एमएस वर्ड, हार्डवेयर डिवाइस, एटीएम मशीन, लैपटॉप, जेनरेशन ऑफ़ कंप्यूटर, वेबकैम, स्मार्टवॉच आदि के माध्यम से प्रभावित किया। अभिभावकों ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा करते हुए उन्हें रिमार्क्स भी दिए। प्रधानाचार्या डॉ. ममता मलिक ने कहा कि प्रदर्शनी का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया कि बच्चे अपने कलात्मक कौशल को प्रदर्शित कर सके।

छात्राओं को भारतीय न्याय संहिता एक्ट से संबंधित विभिन्न प्रावधानों के बारे में जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र के तहत भारतीय न्याय संहिता एक्ट पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य प्रवक्ता जिला विधिक प्राधिकरण सेवा से विजयपाल ने 11वीं कक्षा की छात्राओं को भारतीय न्याय संहिता एक्ट से संबंधित विभिन्न प्रावधानों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि पहले से जो कानूनी प्रावधान चले आ रहे थे, आधुनिक समाज की आवश्यकता को देखते हुए उनमें जरूरी बदलाव किए गए हैं। महिला व पुरुष दोनों को बराबर के कानूनी अधिकार देते हैं। इनमें हिंसा व भेदभाव से मुक्त रहने का अधिकार, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के उच्चतम प्राप्त करने योग्य आनंद लेने का अधिकार, शिक्षित होने का अधिकार शामिल है। विजयपाल ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) भारत गणराज्य में आधिकारिक दंड संहिता है।

बच्चे को खरीदना व बेचना जघन्य अपराध

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर एक नया अध्याय जोड़ा गया है, किसी बच्चे को खरीदना व बेचना जघन्य अपराध बनाया गया है और किसी नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के लिए मृत्युदंड या उम्रकैद का प्रावधान जोड़ा गया है। शादी का झूठा वायदा करने, नाबालिग से दुष्कर्म करने, भीड़ द्वारा पीट कर हत्या करने, झपटमारी आदि मामले दर्ज किए जाते हैं लेकिन मौजूदा भारतीय दंड संहिता में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं थे। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता में इससे निपटने के लिए प्रावधान किए गए हैं। दुष्कर्म पीड़िता का बयान कोई महिला पुलिस अधिकारी उसके अभिभावक या रिश्तेदार की मौजूदगी में दर्ज करेगी और मेडिकल रिपोर्ट सात दिन के भीतर देनी होगी। नए कानूनों में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों की जांच को प्राथमिकता दी गई है, जिससे मामले दर्ज किए जाने के दो महीने के भीतर जांच पूरी की जाएगी। नए कानूनों के तहत पीड़ित को 90 दिन के भीतर अपने मामले की प्रगति पर नियमित रूप से जानकारी पाने का अधिकार होगा।

पीटीएम का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

दा आर्यन ग्लोबल स्कूल में शनिवार को पीटीएम के साथ-साथ ग्रीष्म अवकाश गृह कार्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक चले कार्यक्रम में स्कूल फैकल्टी व अभिभावकों ने भाग लिया। छात्रों ने सुंदर-सुंदर प्रोजेक्ट तैयार किए। स्कूल प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने बच्चों के प्रयास की सराहना की। उन्होंने ये भी बताया कि टेक्नोलॉजी युग में बच्चे भी नई-नई टेक्नोलॉजी सीख रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं। यह बच्चों के विकास के लिए सबसे अच्छी प्रक्रिया है।

आरपीएस के अंशुल ने सीए फाइनल और नौ ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की

महेंद्रगढ़। सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- देश की उन्नति में सीए विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान : चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंटस ऑफ इण्डिया द्वारा सीए की परीक्षा का परिणाम घोषित किया, जिसमें आरपीएस विद्यालय महेन्द्रगढ़ के अंशुल ने सीए फाईनल कोर्स कम्पलिट किया एवं इसके साथ-साथ आरपीएस स्कूल के 9 विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणाम में सफलता अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस अपार खुशी में आरपीएस विद्यालय में अभिभावक, शिक्षक व विद्यार्थी एक-दूसरे को बधाई देकर खुशी का इजहार करते नजर आए। इस खुशी के मौके पर आरपीएस संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व संस्था के सीईओ मनीष राव, विद्यालय प्रिंसिपल डॉ. किशोर तिवारी एवं पीजीटी विंग हैड देवेन्द्र पुनिया ने बधाई देते हुए कहा कि तकनीकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतिहास रचने के साथ-साथ आज विद्यार्थी संस्था में वाणिज्य में भी विभिन्न परीक्षाओं में इतिहास रच रहे हैं। वाणिज्य के क्षेत्र में सीए की परीक्षा देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में शुमार है।

संकट मोचन मंदिर में भक्तों ने किया दुर्गा स्तुति पाठ, मन्नतें मांगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां साध्वी गायत्री कृपा से आषाढ़ महीने के गुप्त नवरात्रों के 8वें दिन शनिवार को दुर्गा स्तुति का पाठ किया गया। गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी और भक्तों ने शाम 4 से 6 बजे तक भक्ति भाव से पाठ कर सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर सुन्दर कांड और हवन का आयोजन किया गया, भक्तों ने हवन में आहुति डालकर मंगल कामनायें की। उन्होंने मां के दरबार में मां की आरती करके दुआ मांगी। पंडित अशोक शर्मा ने आरती व प्रसाद वितरित किया। गद्दीनशीन व ज्योतिषाचार्य साध्वी मानेश्वरी देवी ने सत्संग करते हुए भक्तों को बताया कि कोई भी व्यक्ति अपने आचरण के बल पर कोई कार्य नहीं कर सकता है। जब तक उसे अपने गुरु, संत, ब्राहमण और माता पिता के आचरण के बल का आशीर्वाद न मिले। उन्होंने कहा कि सत्संग अच्छे आचरण का संदेश देती है। इसलिए हम सभी को इसका श्रवण करना चाहिए।

कथा एवं काव्य वाचन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रोहतक। लाढौत रोड स्थित गुरुकुल विश्वभारती में शनिवार को गुरुकुल निदेशक आचार्य नंदकिशोर के निर्देशन में कथा एवं काव्य वाचन अंतरसदनीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास विकसित करने और अपनी प्रस्तुति कौशल दिखाने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करना रहा। निर्णायक मंडल ने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों के प्रयास की सराहना की और उनका हौंसला बढ़ाया। प्राचार्य संजय कौशिक ने विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

बच्चों को पौष्टिक आहार लेने के लिए प्रेरित किया

रोहतक। पठानिया वल्ड कैम्पस में 9 से 13 जुलाई तक फ्रूट विक (फल सप्ताह) मनाया गया, जिसमें बच्चों को फलों से होने वाले फायदों के बारे में जानकारी दी गई। इसके अन्तर्गत कक्षा नर्सरी व केजी के नन्हें मुन्ने बच्चों ने भाग लिया। इस सप्ताह में कक्षा अध्यापिकाओं वीना सहगल, नीरज खट्टर, हरलीन गाबा, सुचिता आहूजा व एकता ढल ने बच्चों के अभिभावकों को टिफिन में कोई न कोई फल देने के लिए प्रोत्साहित किया। बच्चों को बताया गया कि हमें अपने दैनिक खानपान में दूध, दही, दाल, चावल, रोटी-सब्जी के साथ-साथ फलों का सेवन भी अवश्य करना चाहिए। सभी बच्चों को यह भी बताया कि हमें जंक फूड जैसे पिज्जा, बर्गर आदि खाने से बचना चाहिए। पौष्टिक भोजन एवं फल स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया, को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी ने बच्चों के अच्छे स्वास्थ की कामना करते हुए सभी को पौष्टिक आहार खाने के लिए प्रेरित किया।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

Greenland Public School, Dattaur
REQUIREMENTS
Suitable candidates for the positions of
- Mother Teachers - 3
- PGT & TGT Spoken English - 1
- NTTs - 3
- PRT/English - 1
- PRO with Computer Efficiency - 1

Are Urgently Required
Deserving candidates are required to mail their CV at greenlandpublicschool@gmail.com & Contact No. 9050141414 for Interview Date & Time.

सैक्स समस्याएं
MOST TRUSTED SEXOLOGIST AWARDEE
BHGYASHREE Bollywood Actors
DR. KAWATRA M. 9215161430
निःसंतान दम्पत्तियों
को शादी के सालों साल बाद जब हमारे ईलाज से उन दम्पत्तियों को संतान सुख प्राप्त हुआ, उन लाभार्थ दम्पत्तियों के नाम व पते हमारे पास सुरक्षित हैं।
पुल पार, हिसार रोड, रोहतक 9215161430

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- BAMS 2
- RMO 2
- COMPUTER OPERATOR 2
- CHEMIST SHOP STAFF 2
- PHARMACY BILLING STAFF 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

मलिक मनोरोग चिकित्सा केन्द्र
- मन उदास रहना (डिप्रेशन),
- चिन्ता करना, नींद की समस्याए
- फिजूल के विचार आना (OCD)
- सिरदर्द (माइग्रेन)
- शक-वहम होना
- सभी प्रकार के दौरे
- बाईपोलर डिसार्डर
- भूलने की बीमारी
- नशा मुक्ति

अत्यधिक गुस्सा करना, घबराहट, बेचैनी, स्किजोफ्रेनिया, बच्चों की व्यवहारिक समस्याएं
यहाँ पर हर प्रकार की मानसिक बीमारियों का इलाज किया जाता है।
यहाँ पर COUNSELLING के द्वारा भी इलाज किया जाता है।
APPOINTMENT की सुविधा भी उपलब्ध है।
Malik Neuropsychiatry Centre
SCO No. 31, Sector 2 Market, Near Rathi Eye Hospital, Rohtak.
समय- 9 AM से 7 PM
डॉ. आशीष मलिक
Ex. Registrar, PGIMS, Rohtak
M. 8307676466
8685805302

तापमान
अधिकतम 37 .5 डिग्री
न्यूनतम 25 .3 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि

रोहतक, रविवार 14 जुलाई 2024

10 एचएसआई आईडीसी ऊंचे रेटों पर कर रही प्लॉटों की नीलामी : जोगेंद्र नांदल

फॉलो करने पर पाये EXTRA 5% OFF ON MAKING OF EVERY GOLD JEWELLERY
@PPJEWELLERSROHTAK
ppjewellersrohtak
P.P. Jewellers Rohtak
P.P. Jewellers Rohtak
केवल 5% बनवाई सोने के सभी आभूषण पर
सभी 22K HUID हॉलमार्क आभूषण उपलब्ध हैं।
P.P. Jewellers
रोहतक
का सबसे बेहतरीन आभूषण स्टोर
RAILWAY ROAD ROHTAK, CALL :- 70828-66177
केवल 0% बनवाई हीरे के सभी आभूषण पर
कोई पॉलिश नहीं | कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं
35% की छूट हीरे की कीमत पर
SPIN
सुनिश्चित उपहार जीतें।
हीरे के आभूषणों की हर न्यूनतम खरीद पर।
T&C APPLY
SUNDAY OPEN

शहर में आज

- मुख्यमंत्री नायब सैनी की उपस्थिति में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली पार्टी कार्यालय रोहतक में पदभार ग्रहण करेंगे।
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- रोडवेज डिपो में कर्मचारी करेंगे बैठक।
- नगर निगम के सफाई कर्मचारी अलग-अलग वार्डों में चलाएंगे सफाई अभियान।

खबर संक्षेप

छठे सेमेस्टर परीक्षा का परिणाम जारी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने मई 2024 में आयोजित बीए डीडीई सेमेस्टर के पांचवें व छठे सेमेस्टर की रेगुलर व री-अपीयर की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने बताया कि परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

अब कन्या कॉलेज में छात्राएं भूगोल की कर सकेंगी पढ़ाई

सांपला। सर छोटू राम कन्या महाविद्यालय में छात्राएं अब पीजी भूगोल में भी डिग्री पा सकेंगी। पिछले दिनों उच्चतर शिक्षा विभाग ने कॉलेज से नए कोर्स की डिमांड मांगी थी। कन्या कॉलेज की तरफ से पीजी भूगोल की मांग की गई। जिसको मंजूरी मिल गई है। विभाग की तरफ से इस कोर्स के लिए 40 सीट निर्धारित की हैं। शुक्रवार से पीजी कोर्स के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। जो 25 जुलाई तक चलेंगे। जिसकी 30 जुलाई को पहली मेरिट लिस्ट जारी होगी। प्राचार्य डॉ संतोष हुड्डा ने बताया कि दूसरी मेरिट लिस्ट 5 अगस्त को लगेगी और 7 अगस्त को फिजिकल काउंसलिंग की जाएगी। छात्राएं अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराएं। पहले कॉलेज में हिंदी और इतिहास के कोर्स थे।

युवक से 1,82860 रुपये की धोखाधड़ी की

रोहतक। जिले के गावं जसिया निवासी एक युवक का मोबाइल फोन हैक कर एक लाख 82 हजार 860 रुपये की धोखाधड़ी कर दी गई। संजय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 जुलाई को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन को हैक कर लिया और फिर पांच बार में क्रेडिट कार्ड से एक लाख 82 हजार 860 रुपये निकाल लिए। इसके बाद 1930 नंबर पर धोखाधड़ी होने की शिकायत दर्ज करवाई। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

खबरों के लिए हरिभूमि टीम

मनोज वर्मा	9253681012
विजय अहलावत	9253681025
अमरजीत एस गिल	8814999185
नीरज वर्मा	8814999188
पंकज भाटिया	9896363126
छायाकार अनिल चहल	9996236100

महावीर कॉलोनी की समस्याओं के समाधान न होने पर दी थी चेतावनी

कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा का एक सप्ताह का अल्टीमेटम खत्म, अब नहीं देंगे धरना

- 6 जुलाई को महावीर कॉलोनी का दौराकर डीसी कार्यालय के सामने धरना देने का किया था ऐलान
- प्रशासन ने बतरा से बात कर कहा कि काम चल रहा है, जल्द पूरा किया जाएगा
- दूषित पेयजल और सीवर व्यवस्था से हैं महावीर कॉलोनी के लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कॉलोनी में टूटी हुई गली और कच्ची सड़क पर चारों तरफ फैली गंदगी। फोटो : हरिभूमि

गोहाना रोड स्थित महावीर कॉलोनी में टूटे सीवर, गंदे पानी की सप्लाई की समस्याओं के समाधान न होने पर धरने की चेतावनी देने वाले कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा अब धरना नहीं देंगे। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने विधायक को आश्वासन दिया है कि कॉलोनी में समस्याओं के निवारण के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। कुछ ही दिनों में सब सामान्य हो जाएगा। सीवर लाइन की मरम्मत की जा रही है। पीने के पानी की सप्लाई शुरू की गई है। गलियों में मिट्टी समतल की गई है। इसके बाद विधायक ने अधिकारियों को और समय दे दिया है। बतरा एक सप्ताह पहले कॉलोनी में पहुंचे थे और अधिकारियों को कहा था कि काम नहीं किया तो वह डीसी कार्यालय पर धरना देंगे। विधायक द्वारा धरना टालने के बाद अधिकारियों ने भी राहत की सांस ली है। जानकारी के अनुसार, जन स्वास्थ्य विभाग ने महावीर कॉलोनी से जसिया ड्रेन नम्बर आठ तक डिस्पोजल पाइप लाइन दबाई है ताकि इस एरिया का बरसाती पानी ड्रेन में डाला जा सके। इसकी वजह से गलियों और सड़क की खुदाई करवाई गई थी। जिसमें पीने के पानी की लाइन और सीवर लाइन क्षतिग्रस्त हो गए। इस दौरान विगत शनिवार को महावीर कॉलोनी निवासियों से मिलने विधायक भारत भूषण बत्तरा पहुंचे। मौके पर मौजूद महावीर कॉलोनी वेलफेयर सोसायटी के प्रधान नरेंद्र भारद्वाज टिंकू, पूर्व पार्षद संजय सैनी ने कहा कि महावीर कॉलोनी में गहरी पाइप लाइन का काम चल रहा था।

बोर्ड बना चर्चा का विषय

कॉलोनी के गेट पर एक बोर्ड लगाया गया है। जिसमें लिखा गया है कि 6 मई से शुरू हुई समस्याओं का समाधान नहीं होने की वजह से वह किसी भी राजनीतिक पार्टी का समर्थन नहीं करेंगे। यह बोर्ड शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

अभी भी आ रहा गंदा पानी

कॉलोनी निवासियों ने बताया कि सीवर लाइन टूटी हुई थी। जिसकी वजह से सीवर का पानी पीने के पानी में मिलकर घरों में पहुंच रहा है। पिछले काफी समय से कॉलोनी वासी दूषित पानी पीने पर मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि सही व्यवस्था न होने के चलते सड़क के दोनों और नाले और सीवर गंद से भरे हुए हैं। मच्छरों की भरमार हो गई है। साथ ही गलियों में गंदा पानी जमा हो गा है। गली नम्बर एक और दो के हालात ज्यादा खराब हैं।

रिपोर्ट तैयार करने को कहा था

विधायक ने कॉलोनी का दौरा करने के दौरान कहा था कि अधिकारी सोमवार को इलाके का दौरा करें और इसके समाधान के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें। उन्होंने कहा था कि 7 दिन के अंदर अगर यहां की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे कॉलोनी वासियों को साथ लेकर खुद उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरने पर बैठेंगे। जिसके चलते गलियों की सड़क और सीवरों की लाइन तोड़ी गई थी। जिन्हें अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं किया गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली का पदभार ग्रहण समारोह आज

सभी तैयारियां पूरी, सीएम सहित अनेक नेता रहेंगे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली रविवार को पार्टी प्रदेश कार्यालय मंगल कमल में विधिवत रूप से पदभार ग्रहण करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बड़ौली को पद ग्रहण कराएंगे और कार्यकर्ताओं को भी संबोधित करेंगे। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के पदभार ग्रहण के मौके पर होने वाले कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी व सह मीडिया प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने कहा कि रविवार को प्रदेश अध्यक्ष का पदग्रहण समारोह भव्य होगा। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए सभी मोर्चा, प्रकोष्ठ व विभागों के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के पदभार ग्रहण समारोह को लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है।

मदवि: बीएड-एमएड में 15 से शुरू होंगे दाखिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से संबद्ध शिक्षण महाविद्यालयों में सत्र 2024-25 में बीएड, एमएड, बीएड स्पेशल एजुकेशन तथा एमएड स्पेशल एजुकेशन पाठ्यक्रमों में 15 जुलाई से एडमिशन प्रारंभ होंगे।डीन, कॉलेज एंड डेवलपमेंट काउंसिल प्रो. ए.एस. मान ने बताया कि एमडीयू से संबद्ध शिक्षण महाविद्यालयों (गवर्नमेंट एडेड/ एसएफएस कालेज) में सत्र 2024-2025 में बीएड, एमएड, बीएड स्पेशल एजुकेशन तथा एमएड स्पेशल एजुकेशन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 15 जुलाई से 7 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रो. एएस ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन चॉइस फिलिंग तथा लॉकिंग प्रक्रिया 10 अगस्त तक होगी।

आवेदन कर्ताओं की कैटेगरी वाइज प्रोविजनल मेरिट लिस्ट 13 को डिस्प्ले की जाएगी। एडमिशन फॉर्म संबंधित विसंगतियां 14 से 16 तक दूर की जाएंगी। विसंगतियां दूर करने के बाद फाइनल मेरिट लिस्ट 20 को जारी होगी। एडमिशन के लिए पहली काउंसलिंग 23 को, दूसरी काउंसलिंग 31 को तथा तीसरी काउंसलिंग 9 सितंबर को आयोजित की जाएगी। कक्षाएं 29 अगस्त से प्रारंभ होगी।

सेना भर्ती कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित

चयनित उम्मीदवार अगले चरण की प्रक्रिया के तहत मेरिट लिस्ट की प्रतीक्षा करें

रोहतक। सेना भर्ती कार्यालय रोहतक के निदेशक कर्नल दीपक कटारिया ने बताया कि रोहतक के राजीव गांधी खेल स्टेडियम में 10 से 14 जुलाई तक सेना भर्ती का आयोजन किया गया। इस भर्ती में सोनीपत, पानीपत, झज्जर और रोहतक जिले के उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया में अग्निवीर तकनीकी, ऑफिस असिस्टेंट, एसकेटी, ट्रेड्समेन, जनरल ड्यूटी, रेगुलर कैटेगरी के तहत सोल्जर फार्मासिस्ट, नर्सिंग असिस्टेंट एवं धार्मिक गुरु के लिए चयन प्रक्रिया आरंभ की गई है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त श्रेणी में जिन उम्मीदवारों का चयन हो गया है अब उन्हें अगले चरण की प्रक्रिया के तहत मेरिट लिस्ट की प्रतीक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि सभी प्रारंभिक चयनित उम्मीदर जल्द से जल्द जरूरी कागजात को सेना भर्ती कार्यालय, रोहतक में जमा करवाएं।

कैंसर के इलाज के लिए एडवांस सिरेमिक एंटीजन रिसेप्टर टी सेल थेरेपी रोहतक में शुरू

रोहतक। कैंसर के इलाज के लिए एडवांस सिरेमिक एंटीजन रिसेप्टर (सीएआर)-टी सेल थेरेपी रोहतक में भी शुरू की गई है। सीएआर-टी थेरेपी में मरीज की अपने इम्यून सेल्स को आनुवंशिक रूप से लैब में इंजीनियर किया जाता है ताकि उन्हें कैंसर से लड़ने में सक्षम बनाया जा सके। टी कोशिकाओं नामक विशिष्ट प्रकार की सफेद रक्त कोशिकाओं को लैब में मॉडिफाई किया जाता है ताकि वे कैंसर कोशिकाओं को टारगेट और नष्ट कर सकें। मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल शालीमार बाग (नई दिल्ली) की हेमेटो ऑन्कोलॉजी, बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर अमृता रामास्वामी ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि कुछ प्रकार के लिम्फोमा और ल्यूकेमिया में विफल रहे मरीजों को टैलिकैब्टेजीन ऑटोल्यूकल को एडमिनिस्टर करने के लिए इम्यूनो एक्ट के सहयोग से अपना सीएआर टी-सेल थेरेपी कार्यक्रम शुरू करेगा। सीनियर वाइस प्रेसिडेंट व यूनिट हेड बॉबी वर्गीज व इम्यूनो एक्ट बिजनेस डेवलपमेंट एंड अलायंस मैनेजर करण गेरा ने कहा कुछ बी-सेल कैंसर के मामलों में, सीएआर-टी सेल थेरेपी ने विश्व स्तर पर शानदार रिजल्ट दिए हैं।

गांव भाली आनंदपुर में नहरी पानी को लेकर दो पक्ष भिड़े, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव भाली आनंदपुर में नहरी पानी को लेकर दो पक्षों में संघर्ष हो गया। इसके बाद एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर कस्सी से हमला कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

घायल किसान सतबीर ने बहु अकबरपुर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह खेतीबाड़ी करता है। उसका व अनिल का खेत साथ-साथ हैं। शनिवार की सुबह वह खेत में नहरी पानी लगाने के लिए गया हुआ था। उसने पानी लगाने का समय दीपक से लिया हुआ था। सतबीर ने आरोप लगाया कि उसका पड़ोसी अनिल भी खेत में पानी दे रहा था। जब उसने पानी अपने खेत में चलाने की कोशिश की तो उसी समय अनिल व उसका बेटा गौरव आए। पानी के वार को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। सतबीर ने दोनों को रोकने का प्रयास किया तो उनमें से एक ने उसे पीछे से पकड़ लिया। वहीं दूसरे ने कस्सी से हमला कर दिया। कस्सी सीधी हाथ में लगी। बचने के लिए वह घबराकर भागने लगा तो दोनों ने रास्ता रोककर मारपीट की।

तीन नाबालिग काबू

पुलिस ने बाइक चोरी की वारदात में शामिल तीन नाबालिग को काबू किया है। तीनों नाबालिग को पुलिस अभिरक्षा में लेकर बाल न्याय बोर्ड के समक्ष पेश कर बाल सुधार गृह फरीदाबाद भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है। सिविल लाइन थाना प्रभारी निरीक्षक जगबीर सिंह ने बताया कि चुन्नीपुरा रोहतक निवासी मोहित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि 10 जुलाई को मोहित ने अपनी मोटरसाइकिल को रात के समय घर के सामने खड़ी की थी।

35400 पे स्केल को लेकर लिपिकों ने फिर भरी हुंकार

- मांगों पर 14 तक ठोस कदम नहीं उठाए जाते तो 15 जुलाई से चंडीगढ़, पंचकूला पैदल व साइकिल यात्रा द्वारा कूच करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी के राज्य प्रधान बलजीत जून ने कहा है कि सरकार उनकी मांगों को लेकर सकारात्मक नहीं है। लेकिन क्लर्क शांत बैठने वाले नहीं हैं। 35400 पे स्केल की मांग पूरी होने तक विरोध जारी रहेगा। शनिवार को पीडब्ल्यूडी निर्माण सदन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि 7 जुलाई को करनाल में राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन के बाद क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी द्वारा मुख्यमंत्री नायाब सैनी से मुलाकात कर उन्हें मांगों से अवगत करवाया गया था। इसके बाद वह प्रधान सचिव से मिले। उनकी बातों से यह अंदेशा है कि सरकार हमारी मांगों को लेकर सकारात्मक नहीं है।

उन्होंने बताया कि यदि उनकी मांगों पर 14 जुलाई तक ठोस कदम नहीं उठाए जाते तो वे 15 जुलाई से चंडीगढ़, पंचकूला पैदल व साईकिल यात्रा द्वारा कूच करेंगे। यदि सरकार हमारी जायज मांगों पर फिर भी ध्यान नहीं देती है तो मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों व विधायकों का घेराव भी किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सुहाग, स्टेनो राज्य प्रधान संदीप श्योराण, उपप्रधान कुरुक्षेत्र आनंद कुमार, पीडब्ल्यूडी प्रधान गुलाब दांगी, सुमीत नांदल आदि मौजूद रहे।

पहल सेमिनार में भाग लेने मिरांडा हाऊस पहुंचे प्रिंसिपल रोहित कुमार ने दी जानकारी

डीयू के प्रतिष्ठित महिला महाविद्यालय मिरांडा हाऊस व गवर्नमेंट कॉलेज महम के बीच हो सकता है एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। दिल्ली विवि के प्रतिष्ठित महिला महाविद्यालय मिरांड हाउस की प्रिंसिपल बिजय लक्ष्मी नंदा व अन्य अधिकारी सेमिनार के उपरांत गवर्नमेंट कॉलेज महम के प्रिंसिपल रोहित कुमार को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय महम के विद्यार्थियों और यहां पढ़ाने वाले प्राध्यापकों के लिए खुश का समाचार है। जल्द ही दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित महिला महाविद्यालय मिरांडा हाऊस के साथ गवर्नमेंट कॉलेज महम के बीच एक करार हो सकता है। यदि यह करार होता है तो ये दोनों महाविद्यालय पांच साल के लिए एक दूसरे के साथ अपने संसाधनों का आदान प्रदान कर सकेंगे। महम कॉलेज के विद्यार्थियों व शिक्षकों को मिरांडा हाऊस के प्राध्यापकों का मार्गदर्शन प्राप्त करने का मौका मिलेगा। एक दूसरे के ज्ञान का आदान प्रदान होगा। एमओयू होने के बाद महम कॉलेज की उन्नति के द्वार खुलेंगे। राजकीय महाविद्यालय महम के प्रिंसिपल रोहित कुमार ने बताया कि डीयू के वॉमेन कॉलेज मिरांडा हाऊस में 8 से 12 जुलाई तक पांच दिवसीय सेमीनार आयोजित किया गया था। इस सेमीनार में उन्हें भी जाने का मौका मिला। संगोष्ठी शहरों को प्राकृतिक आपदा से बचाने के टिकाऊ समाधान विषय पर आयोजित की गई थी। इस संगोष्ठी के दौरान वे मिरांडा हाऊस की प्रिंसिपल बिजय लक्ष्मी नंदा के व्यक्तित्व और उनकी कार्यप्रणाली से काफी प्रभावित हुए। उसके बाद उन्होंने महम कॉलेज की प्रगति को ध्यान में रखते हुए मिरांडा हाऊस से एमओयू करने का प्रस्ताव रखा। जिसको मिरांडा हाऊस की प्रिंसिपल बिजयय लक्ष्मी नंदा ने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

शिक्षा के स्तर को जानने का मौका मिलेगा

रोहित कुमार ने बताया कि यदि सब कुछ पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत चला तो जल्द ही दोनों महाविद्यालयों के बीच यह एमओयू पांच साल के लिए फाइनल हो जाएगा। जिसके तहत मिरांडा हाऊस की छात्राएं और शिक्षक महम कॉलेज में आएंगे और यहां की सभी तरह की गतिविधियों में भाग लेंगे। उन्हें यहां की संस्कृति, शिक्षा और रीति रिवाज, खान पान, रहन सहन व शिक्षा के स्तर को जानने का मौका मिलेगा। इसी प्रकार राजकीय महाविद्यालय महम के विद्यार्थियों और शिक्षकों को दिल्ली में मिरांडा हाऊस कॉलेज की कार्यप्रणाली को समझने का मौका मिलेगा। मिरांड हाऊस की गिनती देश के सर्वोच्च शिक्षण संस्थानों में होती है। इस कॉलेज का ग्रेड ए प्लस प्लस है। शहरों को प्राकृतिक आपदा से बचाने के टिकाऊ समाधान विषय पर आयोजित संगोष्ठी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट और दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथोरिटी द्वारा आयोजित की गई थी। सेमिनार का आयोजन मिरांडा हाऊस के अर्बन स्टडीज एंड रिसर्च सेंटर के सौजन्य से करवाया गया था।

खबर संक्षेप

जनकल्याणकारी योजना के प्रति किया जागरूक

रोहतक। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार के साढ़े चार वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग हरियाणा द्वारा विशेष प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। भजन पार्टियां गीत व संगीतमयी मनोरंजक प्रस्तुतियों के माध्यम से सरकार की योजनाएं, नीतियों और उपलब्धियों के बारे में आमजन को जागरूक करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य आमजन को सरकार की विकासात्मक नीतियों, योजनाओं, उपलब्धियों के साथ-साथ लोकप्रिय योजनाओं बारे लोक गायन शैली के माध्यम से जागरूक करना है। प्रचार अभियान के लिए प्रचार टीम की ड्यूटी लगाई गई है, जो जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पहुंचकर सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों व योजनाओं के बारे में प्रचार कर रही हैं।

सिंचाई विभाग का ये कैसा प्रयोग! बाढ़ से फसल बचाने को धान रोपाई के लिए नहरों में पानी नहीं छोड़ा

अधिकारियों ने बाढ़ से उत्पन्न होने वाली अपनी दिक्कतों को कम करने के लिए किसानों के सामने खड़ा कर दिया संकट

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

सिंचाई विभाग इस बार फसलों को बाढ़ से बचाने के लिए किसानों को ही भारी नुकसान करने वाला प्रयोग कर रहा है। प्रयोग ये है कि किसानों को धान रोपाई के लिए नहरी पानी ही कम दिया जाए। ताकि जब बारिश हो तो खेत ओवरफ्लो होने से बच जाएं। लेकिन महकमे का ये प्रयोग किसानों पर ही भारी पड़ रहा है। जुलाई मध्य आ गया है। लेकिन धान रोपाई मुश्किल से 25-30 प्रतिशत ही हो पाई है। विभाग का मानना है कि नहरों में पानी छोड़ा जाएगा तो उससे किसान धान की रोपाई करेंगे और जब बारिश होगी तो धान वाले खेत ओवरफ्लो होकर बाढ़ का रूप धारण कर लेंगे। जिससे सिंचाई विभाग के सामने दिक्कतें खड़ी होंगी।

अपनी दिक्कतों को कम करने के लिए चंडीगढ़ बैठे अधिकारियों ने किसानों के सामने बड़ी परेशानी खड़ी कर दी हैं। किसान सभा के प्रदेश महा सचिव सुमित दलाल कहते हैं कि ये सिंचाई विभाग ने संवेदनहीनता की सभी सीमाएं लांघ दी। विभाग ने बाढ़ का पानी निकालने की व्यवस्था करनी चाहिए। ना कि धान रोपाई के लिए नहरी पानी बंद करना।

धान ही नहीं लगा पाएंगे किसान: विभाग के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि मैंने तो मीटिंग कहा था कि जो अव्यवहारिक प्रयोग किया जा रहा है, वह गलत है। जब किसान नहरी पानी के अभाव में अपनी फसल ही ना लगा पाएंगे तो फिर खेतों में बाढ़ का पानी भरे या ना, इसका महत्व क्या रहेगा। अफसर ने बताया कि बेतुका प्रयोग करके विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सरकार को गुमराह कर रहे हैं। गत वर्ष भी ऐसा प्रयोग करने का प्रयास किया गया था। उस समय एक अफसर ने दो टूक कह दिया था कि मैं इस प्रयोग के हक में बिल्कुल नहीं हूं। एक अधिकारी के अड़ते ही दूसरे अफसर भी पीछे हट गए और नहरों में मानसून के समय पानी की पूरी आपूर्ति दी गई। ये अधिकारिक सूत्र ने कहा है।

अमूमन जुलाई मध्य तक जिले में औसतन 75 मिलीमीटर बारिश हो जाती है। लेकिन इस बार अभी 8 एमएम भी नहीं हुई हैं। जिससे खेती के हालात दिन-प्रतिदिन खराब होते जा रहे हैं। खासकर धान रोपाई का कार्य तो अभी तक भी तेजी ही नहीं पकड़ पाया है। जबकि अब रोपाई सीजन शुरू पूरा एक महीना हो चुका है। सबसे बड़ी दिक्कत तो ये हैं कि अगले दो-चार दिन में मानसून की इतनी बारिश होने का पूर्वानुमान नहीं है, जिससे धान की रोपाई में तेजी जा सके। मानसून आने के बाद जुलाई में नहरों में पानी सप्लाई का शेड्यूल खत्म हो जाता है। और नहरों में नियमित रूप से पानी की सप्लाई दी जाती है। क्योंकि बरसात की वजह से पानी की कमी नहीं रहती है।

किसान धान की रोपाई नहीं कर पा रहे

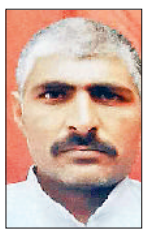

बारिश हो नहीं रही और सिंचाई विभाग नहरों में पानी छोड़ नहीं रहा। जिसकी वजह से हमारा गांव क्या दूसरे गांवों में भी किसान धान की रोपाई नहीं कर पा रहे हैं। मानसून की बारिश होने के बाद नहरों की बाराबंदी खत्म हो कर नियमित रूप से पानी की सप्लाई शुरू हो जाती थी। लेकिन सिंचाई विभाग ने इस बार ऐसा नहीं किया।

-**प्रमोद चोटीवाला**, किसान गांव खरैंटी

2800 क्यूसिक पानी रिसिव किया

दादूपुर हेड से 19 घंटे पहले 15700 के मुकाबले 2800 क्यूसिक पानी रिसिव कर लिया गया है। यह पानी जल्द ही रोहतक समेत दूसरे जिलों की नहरों में पहुंच जाएगा।

-**बीएस नारा**, इंजिनियर इन चीफ सिंचाई विभाग पंचकूला

भालौठ ब्रांच में क्षमता से कम पानी

इस समय मानसून की बरसात हो रही है। लेकिन रोहतक जिले की भिवानी सब ब्रांच और काहनौर डिस्ट्रीब्यूटरी में पानी नहीं है। भालौठ डिस्ट्रीब्यूटरी में भी तीन चार दिन पहले पानी की आपूर्ति शुरू हुई। इसकी क्षमता 1000 क्यूसिक है। विभाग का कहना है कि 850-900 क्यूसिक पानी इस समय चलाया जा रहा है। जबकि पानी इससे कम ही है। जवाहरलाल नेहरू कैनाल में बीते 20 दिन से सप्लाई जारी है। लेकिन इस कैनाल का पानी रोहतक जिले में सिंचाई के लिए प्रयोग करना वर्जित है।

76 हजार हेक्टेयर में होती रोपाई

धान रोपाई का टारगेट 50 हजार हेक्टेयर का है। जबकि हर साल 75-76 हजार हेक्टेयर में किसान रोपाई करते हैं। सिंचाई विभाग से मिली रिपोर्ट के मुताबिक बीते शुक्रवार तक जिले में 27400 हेक्टेयर में धान की रोपाई बड़ी मुश्किल से हो पाई है। किसानों के पास धान की रोपाई करने के लिए केवल नहरें ही एकमात्र सिंचाई का साधन हैं। जिले की सिंचाई तीनों नहरों से होती है। इनमें से दो में तो पानी नहीं है। जबकि एक में क्षमता के मुताबिक इस समय नहीं चलाया जा रहा है। जिले में जमीन खारा है। जिससे खेती में प्रयोग नहीं किया जा सकता। अधिकांश खेतीबाड़ी नहरी पानी से ही की जाती है।

सांपला बस स्टैंड पर 150 पौधे लगाए

सांपला। परिवहन विभाग की तरफ से शनिवार को सापला बस अड्डे में पौधरोपण अभियान चलाया गया। कर्मचारियों ने अलग-अलग किस्म के करीब 150 पौधे लगाए। बस अड्डा इंचार्ज इंस्पेक्टर देवेन्द्र सांगवान ने बताया कि सभी कर्मचारियों ने पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण की भी जिम्मेदारी ली। उन्होंने यात्रियों को भी पौधारोपण के लिए प्रेरित किया।

इंडस स्कूल रोहतक में अंतर सदनीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

चारों सदनों ब्यास, झेलम, रावी व सतलुज के छात्रों ने उत्साह व रुचि पूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया

- विद्यालय की चेयरपर्सन डॉक्टर एकता सिंधु ने कहा कि खेल छात्रों को टीमवर्क, नेतृत्व, धैर्य जैसे जीवन कौशल की भावना सिखाते हैं
- शारीरिक शिक्षक भैरव दत्त ने खेल संबंधी नियमों की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में अंतर सदनीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें कैरम, शतरंज, लूडो व बैडमिंटन शामिल रहे। चारों सदनों ब्यास, झेलम, रावी व सतलुज के छात्रों ने उत्साह व रुचि पूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया। शारीरिक शिक्षक भैरव दत्त ने सभी प्रतिभागियों को खेल संबंधी नियमों की जानकारी दी। सभी प्रतियोगिताओं के मुकाबले रोचक रहे। इस दौरान शतरंज में कक्षा पांचवी रावी सदन से सुचेता, सतलुज सदन कक्षा छठी से पवित्रा, ब्यास सदन कक्षा सातवीं से शिव, कक्षा आठवीं से आर्यन प्रथम स्थान पर रहे। वहीं लूडो में कक्षा तीसरी से सतलुज सदन से दृष्टि, कक्षा चौथी से झेलम सदन से स्मृति ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी तरह से कैरम में कक्षा तीसरी से विहान, कक्षा चौथी से पार्थ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की डायरेक्टर प्रधानाचार्य सुषमा झा ने कहा कि खेल बच्चों का ज्ञान बढ़ाने में, निर्णय लेने में, मानसिक कौशल विकसित करने में मदद करते हैं। विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक विकास के लिए खेल अत्यंत आवश्यक हैं। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉक्टर एकता सिंधु ने कहा कि खेल छात्रों को टीमवर्क, नेतृत्व, धैर्य जैसे जीवन कौशल की भावना सिखाते हैं।

गुप्ता दंपति ने लगाया पौधा

रोहतक। 75वें वन महोत्सव पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद के प्रांतीय संयोजक अशोक गुप्ता ने अपनी पत्नी मधु गुप्ता के साथ माता सुमित्रा देवी के नाम से केशव पार्क में एक आम का पौधा लगाया। उन्होंने कहा कि वह पौधे की देखभाल करेंगे ताकि यह पौधा एक वृक्ष का रूप ले। उन्होंने कहा कि सभी को अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

स्वास्थ्य कर्मचारियों ने की मीटिंग

रोहतक। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने राज्य प्रधान ओमपति की अध्यक्षता में मीटिंग की। मीटिंग में 12 जिलों से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मीटिंग में जिला झज्जर प्रधान वीरेंद्र दलाल, जिला रोहतक प्रधान भाई कुलताज, पानीपत से सतवीर, संदीप , सिरसा से जिला सचिव राजेश कुमार, पानीपत से सतबीर प्रधान जींद से जगदीश, भिवानी से सोनू राठी, सोनीपत से महेश राठी, फतेहाबाद से सुखबीर सिंह मौजूद रहे।

महम बार एसोसिएशन के किसी वकील को दी जाए कांग्रेस की टिकट: दांगी

महम। बार एसोसिएशन महम में शुक्रवार को वकीलों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पहुंचे थे। इस दौरान बार एसोसिएशन महम के वरिष्ठ अधिवक्ता कुलदीप दांगी ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा से महम के किसी वकील को विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़वाने की मांग की थी। उनके द्वारा टिकट मांगने की बात हलके में चर्चा का विषय बनी हुई है। पूर्व मंत्री कांग्रेस नेता आनंद सिंह दांगी इस बार यहां से अपने बेटे बलराम दांगी को चुनाव लड़वाना चाहते हैं। इसी बीच उनके ही गांव मदीना के रहने वाले वकील कुलदीप दांगी ने भी महम के किसी वकील को टिकट दिए जाने की मांग भूपेंद्र सिंह हुड्डा से की है। जब टिकट मांगी गई उस समय आनंद सिंह दांगी व उनके बेटे बलराम दांगी भी वहीं पर मौजूद थे।

जल को प्रदूषित न करें : डॉ नांदल

रोहतक। जल को संरक्षित करने और उसे किसी प्रकार प्रदूषित न करना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। यह कहना है सुनो नहरो की पुकार मिशन के वरिष्ठ सदस्य रिटायर कृषि डॉ रविन्द्र नांदल का।
डॉ नन्दल जैन सीनियर सेकंडरी स्कूल में विद्यार्थियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने भारत के दिवंगत राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे कलाम, भारत रत्न के विजन 2070 के बारे में विस्तार से बताया और सभी को जल संरक्षण करने के महत्व पर विशेष ध्यान देने की बातें कही।साथ ही उन्होंने बताया कि जल को प्रदूषण से भी बचाना है। देखने में आया है कि हमारे बहुत से नागरिक साथी नदियों और नहरों में बची हुई पूजा सामग्री, घर का अन्य सामान, प्लास्टिक अनाज ,कोयला, तेल, मरे हुए पशु पक्षी सब नदियों या नहरों के बहते पानी में डाल जाते हैं। जिसके कारण नदियों और नहरों का पानी तेजी से प्रदूषित होता जा रहा है।

महम शहर में गहराया पेयजल संकट, सप्ताह से सप्लाई नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

- वार्ड 15 निवासी नितेश कुमार ने बताया कि उनके वार्ड में भी पानी की सप्लाई हुए पांच छह दिन हो जाते हैं

महम शहर के लोग गंभीर पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से शहर के आधे हिस्से में पीने के पानी की आपूर्ति नहीं हुई है। जिस वजह से पानी को लेकर शहर में हा हा कार मचा हुआ है। वार्ड 6 निवासी नरेंद्र रल्हन ने बताया कि उनके वार्ड में पिछले एक सप्ताह से पेयजल की आपूर्ति जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा नहीं की गई है। महम नगर पालिका के वाइस चेयरमैन बसंत लाल गिरधर ने बताया कि वे वार्ड सात से पार्षद हैं। उनके वार्ड में भी एक एक हफ्ते तक पानी नहीं आता। लोग उनके घर पर शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं।

जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बार बार शिकायत करने के बाद भी पेयजल समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा। वार्ड 15 निवासी नितेश कुमार ने बताया कि उनके वार्ड में भी पानी की सप्लाई हुए पांच छह दिन हो जाते हैं। शहर के लोगों का कहना है कि पिछले कुछ महीने से शहर में पानी की ज्यादा किल्लत बनी हुई है। क्योंकि छह सात दिन में पानी आना आम बात हो गई है। नपा के वाइस चेयरमैन बसंत लाल गिरधर ने बताया कि जिन वार्डों में शहर के पुराने जलघर से पानी की सप्लाई होती है, ज्यादातर उन वार्डों में ही पीने के पानी की अधिक किल्लत है। स्थानीय नागरिकों का कहना है यदि जनस्वास्थ्य विभाग ने कार्यप्रणाली में सुधार नहीं किया तो शहर के लोग पानी की किल्लत को लेकर सड़कों पर आने को मजबूर हो जाएंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

आईएमटी में उद्योगपतियों की मासिक बैठक

एचएसआईआईडीसी ऊंचे रेटों पर कर रही प्लॉटों की नीलामी : जोगेंद्र नांदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

आईएमटी में उद्योगपतियों की मासिक बैठक प्रधान जोगेंद्र सिंह नादंल की अध्यक्षता में हुई। जिसमें विभाग की तरफ से एचएसआईआईडीसी के एजीएम अशोक यादव, एक्सईएन यश वर्मा, यूएचबीवीएन के एसडीओ योगेश बजाज व राकेश शर्मा और विजय हुड्डा जेई शामिल हुए।

इस बैठक में उद्योगपतियों द्वारा विभागों द्वारा असहयोग पर चिन्ता व्यक्त की गई। इस अवसर पर जोगेंद्र नांदल ने कहा कि एचएसआईआईडीसी द्वारा उच्चे रेट पर प्लॉटों की नीलामी की जा रही है जिसकी वजह से 2011 से अब तक केवल 30 प्रतिशत इंडस्ट्रियल प्लॉट ही बिके हैं। सरकार प्लॉट को बेचते समय बड़े-बड़े आश्वासन देती है, परन्तु वास्तविकता में प्लॉटों पर पानी, बिजली व सीवर की लाईन तक नहीं बिछाई गई है। मूलभूत सुविधाएं ना होने के कारण पुरानी फैक्टरियां भी दूसरे राज्यों में पालयन करने पर मजबूर हो रही है। जोगेंद्र नांदल ने कहा कि बिजली का समय पर ना आना, कई घंटों के कट, ट्रक यूनियनों द्वारा उच्चे रेट मांगना और ना ही रोजाना की जरूरत पूरी करने के लिए मूलभूत सुविधाएं जैसे बैक, बाजार, श्रमिक कॉलोनी आदि न होने के कारण उद्योगपतियों को भारी नुकसान हो रहा है। उद्योगपति हर साल एचएसआईआईडीसी को करोड़ों रूपये देते हैं। यह पैसा उद्योगपतियों की सुविधाओं पर खर्च होना चाहिए परन्तु उनकी अनदेखी की जा रही है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर संदीप नांदल, जसबीर लाठर, अंशु एरिन, एसबी नैन, रोहित बंसल,जितेंद्र घीगड़ा, अमन अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

मांगों को लेकर मिड डे मील कर्मियों ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन ने बायोमैट्रिक हाजिरी, 12 महिने का वेतन व 26000 रुपये न्यूनतम वेतन, 5 लाख रूपये रिटारमेंट लाभ, रिटायरमेंट की उम्र 65 करने, 2000 रूपये वर्दी भत्ता करने, पीएफ, ईएसआई लागू करने व पक्का कर्मचारी का दर्जा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दलजीत को निदेशक के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन की अध्यक्षता बबीता ने व संचालन राजबाला ने किया। सीटू जिला प्रधान कमलेश लाहली, सहसचिव प्रकाशचंद्र ने कहा कि सरकार मिड डे मील कर्मीयों की मांगों की अनदेखी कर रही है।लम्बे समय से मिड डे मील में काम कर रही कर्मियों को ना तो पीएफ, ईएसआई का लाभ मिलता है और ना ही रिटायरमेंट बैनिफिट मिलता है। इस मौके पर सरला भालोठ, फूलपति, भारती, कमलेश, भतेरी, शकुंतला, बिमला आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 जुलाई 2024

कुछ समय पहले तक माना जाता था कि अगर हमारा आईक्यू लेवल हाई है तो हम सबसे बुद्धिमान लोगों की श्रेणी में शामिल हैं। फिर इसमें ईक्यू और एसक्यू फैक्टर्स भी जोड़े गए। इन दिनों बुद्धिमत्ता के नए मानक एक्यू की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। क्या है यह एक्यू पैमाना और इसे सबसे इंपॉर्टेंट क्यों माना जा रहा है? जानिए, विस्तार से।

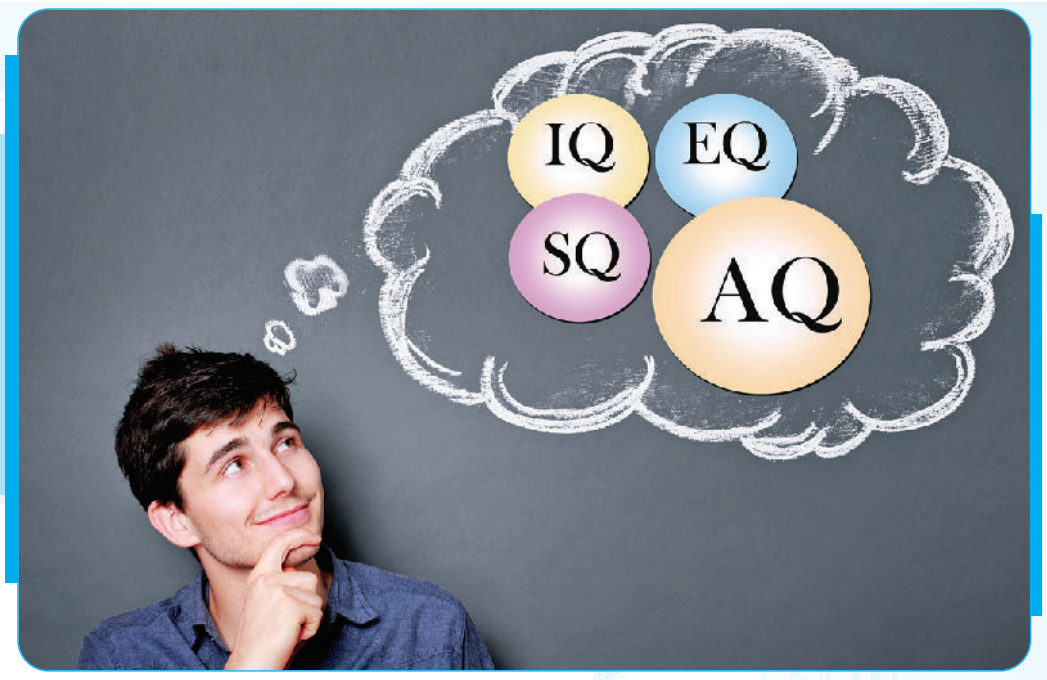

आईक्यू-ईक्यू-एसक्यू से भी इंपॉर्टेंट है हमारा एक्यू

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अगर हम मानते हैं कि अलग-अलग लोगों में उनकी बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है, तो जाहिर है बुद्धि के मापने का कोई पैमाना भी होगा। साल 1912 में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने बौद्धिक क्षमता मापने के पैमाने आईक्यू यानी इंटेलीजेंस कोशेंट का कॉन्सेप्ट दिया।

आईक्यू बताता है बौद्धिक क्षमता

आईक्यू पैमाने के मुताबिक हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता का अलग-अलग स्कोर होता है। यही स्कोर या संख्या बताती है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के दूसरे लोगों के मुकाबले कम बुद्धिमान है या ज्यादा। हालांकि बुद्धि की गणना का यह पैमाना अकसर विवादों में भी घिरता रहता है, क्योंकि जहां इस पैमाने के तहत महान वैज्ञानिक आइंस्टीन का आईक्यू 160 और न्यूटन का आईक्यू 190 माना जाता है, वहीं 1898 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में जन्मे विलियम जेम्स का आईक्यू 250 से 300 के बीच माना जाता है। दरअसल, अगर किसी व्यक्ति का आईक्यू 145 से 160 के बीच होता है, तो उसे जीनियस कहा जाता है। लेकिन विलियम जेम्स का आईक्यू तो 250 से 300 के बीच था, फिर उसे किस श्रेणी में रखा जाए? जेम्स में निःसंदेह असाधारणता के कुछ गुण थे। मसलन, 18 माह की आयु में ही उसने न्यूज पेपर पढ़ना शुरू कर दिया था, 9 साल की उम्र में उसने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया था। माना जाता है कि उसने 40 भाषाओं में मास्टर डिग्री हासिल की थी। लेकिन इन कुछ चमत्कार से लगने वाले व्यक्तिगत गुणों के अलावा जेम्स के नाम कोई ऐसी खोज नहीं है, जिसने दुनिया को बदलकर रख दिया हो, जैसे आइंस्टीन और न्यूटन ने किया। बहरहाल, इस बहस के बावजूद यह भी तय है कि किसी और सटीक पैमाने के ना होने के कारण बुद्धिमत्ता को कोशेंट के पैमाने से तो परखना ही पड़ेगा।

मानसिक क्षमता के अन्य पैमाने

पिछले कुछ दशकों में अकेला आईक्यू ही किसी की मानसिक क्षमता को परखने का एकमात्र पैमाना नहीं रहा, क्योंकि मानसिक क्षमताओं की भी अलग-अलग परिस्थितियों में अलग- अलग तरह से परख होती है। इसलिए अब अलग-अलग मौकों में बुद्धिमत्ता की परख के लिए विभिन्न पैमाने भी इस्तेमाल में लाए जाते हैं। मसलन, आईक्यू के अलावा ईक्यू यानी इमोशनल कोशेंट। एसक्यू यानी सोशल कोशेंट और अब हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता का एक नया पैमाना, जो पूरी दुनिया में काफी चर्चा में है, वह है एक्यू यानी एडवर्सिटी कोशेंट।

इन दिनों चर्चा में है एक्यू

एडवर्सिटी कोशेंट का मूल अर्थ, बुरे वक्त में दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है। यानी, कठिन समय में आप किस कुशलता से अपने को संभालते हुए सही निर्णय लेते हैं, किस कुशलता से अपने काम को अंजाम देते हैं? दरअसल, एक्यू का अर्थ ऐसे समय पर दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है, जब वाकई बहुत बुरा वक्त हो और सामान्य व्यक्ति को उससे निकलने का कोई उपाय ना सूझे। एडवर्सिटी कोशेंट, इन दिनों खूब चर्चा में है और हाल-फिलहाल में यह किसी इंसान की बौद्धिक परख का सबसे निर्णायक पैमाना माना जाने लगा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी व्यक्ति में चुनौतियों से निपटने की कितनी कुशलता है, इसकी सबसे अच्छी परख उसके बुरे वक्त पर ही होती है। क्योंकि बुरे वक्त पर ज्यादातर लोग बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार नहीं कर पाते। इसे इस तरह से समझ लीजिए कि कई बहुत अच्छे और सज्जन लोग भी गुस्से के समय पूरी तरह से अपना आपा खो देते हैं और वह उतनी ही बुरी तरह से लड़ते है, जितनी बुरी तरह से आम गैर पढ़े-लिखे लोग लड़ते हैं या दूसरे शब्दों में नासमझ लोग जिस तरह से बुरे समय में व्यवहार करते हैं, वैसा ही व्यवहार कई अच्छे लोग भी अपने बुरे वक्त में करते हैं। इसलिए एक्यू की कसौटी पर ऐसे लोगों को बुद्धिमान नहीं माना जा सकता है।

बुरे दौर से निकलने की क्षमता

एडवर्सिटी कोशेंट, वास्तव में प्रतिकूलता का गुणांक होता है। हर व्यक्ति अपने सामने आई चुनौतियों से निपटने का कोई ना कोई तरीका अपनाता है। जिस व्यक्ति का ऐसी चुनौतियों से निपटने का तरीका सबसे कारगर और मौजूदा परिस्थितियों में सबसे प्रभावी होता है, वास्तव में वही बुद्धिमान होता है। इसलिए देखने में आता है कि कई सफल लोग भले सामान्य परिस्थितियों में ज्यादा कुछ ना बोलें, बढ़-चढ़कर अपनी समझदारी ना दिखाएं, लेकिन जब बुरा वक्त आता है तो वे बहुत ही बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से उस बुरे वक्त से बाहर निकल आते हैं। माना जाता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर आईक्यू बहुत महत्वपूर्ण नहीं होता, क्योंकि यहां तक अगर कोई पहुंचा है तो उसकी दिमागी क्षमता सामान्य लोगों से तो ज्यादा होगी ही। इस स्तर पर ईक्यू भी बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह जाता, क्योंकि सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर या बहुत ऊंचे पायदान पर भावनाएं बहुत मायने नहीं रखती हैं और इस स्तर पर सामाजिकता भी कम से कम उतनी अर्थपूर्ण नहीं रहती, जितनी निचले स्तर के लोगों के लिए सामाजिकता की कीमत होती है।

सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचकर अगर आप अचानक परेशानियों से घिर गए हैं, चुनौतियों में उलझ गए हैं, तो ऐसे वक्त पर प्रतिकूलता के दौरान दिखाई गई बुद्धिमत्ता ही एकमात्र वह गुण होगा, जिसके जरिए आप इस कठिन समय से बाहर आएंगे और बुद्धिमत्ता की जिस तरकीब के जरिए आप बुरे वक्त से बाहर निकलेंगे, वह तरकीब ही साबित करेगी कि आपमें प्रतिकूल समय से बाहर निकलने की कितनी क्षमता है?

सबसे महत्वपूर्ण बन गया एक्यू

पिछले कुछ दशकों में अलग-अलग बुद्धिमत्ता पैमाने पर लोगों की प्रतिभा को कसने के बाद अब मनोवैज्ञानिक निर्णायक रूप से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कठिन समय में दिखाई गई कुशलता या बुरे वक्त की वह बुद्धिमत्ता ही होती है, जिसकी बदौलत कोई व्यक्ति अपने बुरे दिनों से बाहर आता है। यह कुशलता कई तरह से व्यक्त होती है। अपने लिए सहानुभूति हासिल करके, आत्म-जागरूकता की ऊंचाईयां छूकर, जबरदस्त अनुशासन या आत्मसंतुलन का मादा दिखाकर, प्रेरणा के सबसे ऊंचे पायदान पर खड़े होकर प्रेरित होने और सामाजिक रूप से हर पैमाने पर कुशल साबित होने से यह बुद्धिमत्ता विजयी कौशल बनकर सामने आती है।

दरअसल, हाल के दशकों में दुनिया में लोगों के पास संपत्ति चाहे जितनी बढ़ी हो, विकास चाहे जिस पैमाने पर पहुंचा हो, लेकिन सच्चाई यह है कि अब से ज्यादा निराशा, तनाव, बेचैनी और पराजयबोध किसी भी दूसरे दौर में नहीं देखा और महसूसा गया। इसलिए आज आर्थिक रूप से और परचेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के पैमाने पर भले लोग ज्यादा खुशहाल दिखें, लेकिन मानसिक स्तर पर आज कहीं ज्यादा लोग परेशान हैं और यह मानसिक परेशानी ही है, जो पुराने वक्त के मुकाबले आर्थिक रूप से ज्यादा खुशहाल होने के बावजूद हमें निराशा और तनाव से हमेशा दो-चार रखती है। ऐसी स्थितियों में इन परेशानियों से बाहर आना ही वास्तव में बुद्धिमत्ता की निशानी है। इसलिए आज एडवर्सिटी कोशेंट या कठिन समय से कुशलतापूर्वक बाहर निकलने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। *

विराट कोहली का एक्यू है हाई

कई बार हम कुछ खिलाड़ियों के बारे में यह कहा करते हैं कि यह खिलाड़ी प्रॉब्लम सॉल्वर या टफ टाइम हीरो है यानी क्राइसेस के समय ही इसकी क्षमताएं निकलकर बाहर आती हैं। जाहिर है, ऐसा खिलाड़ी टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए हाल में भारत द्वारा जीते गए टी-20 विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट में विराट कोहली बहुत अच्छा नहीं खेल पाए थे। लेकिन ज्यादातर एक्सपर्ट यह मानकर चल रहे थे कि फाइनल में विराट कोहली जरूर चलेंगे, उनका बल्ला बोलेगा और एक्सपर्ट यह भी कह रहे थे कि अगर फाइनल में विराट कोहली नहीं चले तो भारत का जीतना मुश्किल होगा। देखा जाए तो सबकुछ ऐसा ही हुआ। फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंदों में शानदार 76 रन बनाए और उन्हीं के रनों की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 177 रनों का टारगेट दिया। अगर कोहली ने इस निर्णायक मैच में यह बेहतरीन ईनिंग ना खेली होती तो भारत का जीतना बहुत मुश्किल था। इससे प्रूफ हो गया कि विराट कोहली का एक्यू कितना हाई है!

लाइफ को बेचैन बना रहे अनलिमिटेड ऑप्शंस

तकनीकी विकास और बेशुमार सुविधाओं ने जीवन को कई मायने में आसान और आरामतलब तो बनाया है। लेकिन इसके साथ ही अनलिमिटेड ऑप्शंस की भरमार, हमारी मानसिक शांति को हमसे छीन रही है, हमें बेचैन बना रही है।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

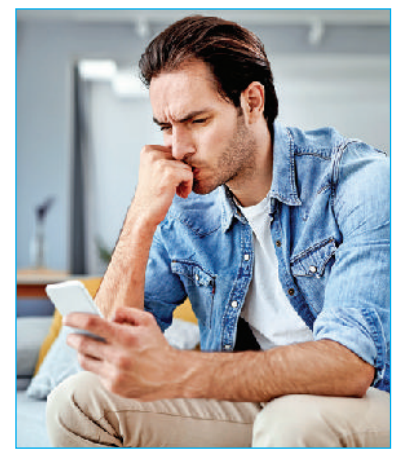

कई वर्किंग यंगस्टर्स अकसर फूड डिलीवरी एप्स पर पसंदीदा भोजन और रेस्टोरेंट की सर्चिंग के लिए लंबा समय बर्बाद करते और परेशान होते दिखते हैं। बहुत सोच-समझ कर मंगाने के बाद भी वे इस खाने से असंतुष्ट होते दिखते हैं। कई बार तो वे इस बात का निर्णय लेने में काफी वक्त बर्बाद कर देते हैं कि ओटीटी पर कौन-सा शो या मूवी देखी जाए। लेकिन इन्हें हमेशा लगता है कि काफी वक्त और ऊर्जा खर्च करने के बाद उन्होंने जो निर्णय लिया वह बिल्कुल गलत था।

बेवजह की बेचैनियों से परेशानः आजकल के कई यंगस्टर्स, दिनभर बेवजह परेशान, हैरान और उलझन में दिखते हैं। उनके चेहरे पर तनाव, झुंझलाहट और व्यग्रता का अंदाजा कोई भी समझदार आसानी से लगा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बेचैनियों में से ज्यादातर बहुत बचकाने कारणों से होती हैं। ये हालात सिर्फ युवाओं के ही नहीं, इसके शिकार कुछ हद तक अब प्रौढ़ भी होने लगे हैं। अचरजकारी बात यह है कि हम अपनी जिंदगी के महत्वपूर्ण और कठिन निर्णयों को अकसर मामूली समझने लगे हैं। शादी के लिए या फिर जॉब चुनने में लोग ज्यादा वक्त और ऊर्जा भले ना लगाएं पर मामूली निर्णयों को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगे हैं। फैशन की होड़ और बेकार की जोड़-तोड़ के जंजाल में लोग ऐसे फंसे हैं कि अपनी मानसिक शांति खोते जा रहे हैं।

वजह हैं ज्यादा ऑप्शंसः क्या आपने सोचा है कि इतनी बेचैनियों की वजह क्या है? सबसे बड़ी वजह है, ज्यादा ऑप्शंस की मौजूदगी। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सब कुछ बहुतायत में उपलब्ध है। सुविधाएं अंतहीन हैं और बाजार ढेर सारे विकल्पों से भरे पड़े हैं। यही अधिकता, हमारी मानसिक अशांति, चिंता, दुख, बेचैनी और अवसाद की सबसे बड़ी वजह है।

असल में आज की तारीख में हमें सबसे ज्यादा परेशान वह चीज करती है, जिसे हम खरीद नहीं पाए। इंटरनेट पर सर्चिंग हो, आइसक्रीम पार्लर हो, फिटनेस एप्स हो, मूवी थिएटर हो, साड़ी की दुकान हो या टूथब्रश, साबुन, शैंपू जैसी रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें, हमारे सामने इतने विकल्प होते हैं कि हम कंफ्यूज और बेचैन हो जाते हैं कि आखिर इनमें से कौन-सा चुनें। कई बार हालत यह हो जाती है कि जो टीवी हमने लिया उससे अलग दूसरे के पास है और उसमें कोई एकाध फीचर भी अलग है, जो भले ही काम का नहीं है तो भी हम बेचैन हो जाते हैं।

पहले हम रहते थे सुकून सेः आज से कोई 15-20 साल पहले हर चीज के सीमित विकल्प होते थे। शादी में खाने के आइटम गिनती के होते थे, फिल्में थोक भाव से नहीं आती थीं बल्कि महीने में जो एक आध फिल्म आती थी, वही खूब चलती थी। सामाजिक स्तर पर दिखावा आज जैसा नहीं था। तब हम एक उपभोक्ता के रूप में इतने बेचैन, दुखी और कंफ्यूज बिल्कुल नहीं रहते थे। कमरे में फर्नीचर के नाम पर गद्देवाला बेड और अलमारी होती थी, जिसमें पूरा परिवार अपने कपड़े रखता था। आइसक्रीम या चॉकलेट की कुछ वैराइटीज होती थीं। कभी-कभी उन्हें खाकर ही बड़ा आत्मसंतोष होता था। लेकिन अब इन चीजों को चुनने के लिए भी काफी माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

ज्यादा ऑप्शंस करते हैं परेशानः 'एज ऑफ अबेंडंस' यानी 'बहुतायत के युग का जीवन पर प्रभाव' पर अध्ययन करने वाले सोशल साइंटिस्ट कहते हैं कि विकल्पों की यह बहुतायत सुखी और खुशहाल करने के लिए बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। जरूरत से ज्यादा विकल्पों की उपलब्धता, इंसानी दिमाग को पैरालाइज कर सकती है। जिससे अंत में हम वह खरीद लेते हैं, जो हमारे लिए ठीक नहीं होता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और सोशल थ्योरी के प्रोफेसर बेरी श्वार्टज ने अपनी पुस्तक 'पैराडॉक्स ऑफ चॉइस' में कुछ ऐसा ही लिखा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्टूडेंट पेटे डेविस ने 'व्हाट नेटफ्लिक्स टॉट मी अबाउट लाइफ' विषय पर अपने स्पीच में कहा कि ब्राउजिंग की स्वतंत्रता ने यूथ का चैन छीन लिया है। आधे घंटे तक विभिन्न फिल्मों की सर्फिंग और सर्चिंग करने के बाद वे कोई फिल्म नहीं देखते और कंफ्यूज होकर बैठ जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिन रेस्टोरेंट में आपको डिशेज के बहुत सारे विकल्प मिल जाते हैं, वहां निर्णय लेने में काफी देर लग जाती है और तब तक आप की भूख मर जाती है। जबकि सीमित विकल्पों वाली जगह आप ज्यादा अच्छी तरह संतुष्ट होकर भोजन कर सकते हैं।

स्मार्टफोन के दर्जनों ऑप्शंस हैं। एप्स के पचासों ऑप्शंस हैं। शॉपिंग के अनगिनत विकल्प हैं। ये ऑप्शंस ही हमें परेशान करते हैं।

टफ बन रहा जीवन : ज्यादा विकल्पों ने हमारा जीवन कुछ मामलों में आसान भले ही बनाया हो लेकिन हकीकत यह है कि इन्होंने जीवन को पहले से ज्यादा टफ बनाने के साथ-साथ हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता पर जंग लगाने का भी काम किया है। हमें चिढ़न होती है, जब भारी मशक्कत के बाद चुनी गई वस्तु, आउट ऑफ स्टॉक होने के कारण हमें नहीं मिल पाती जबकि हमारे किसी मित्र को वह मिल जाती है। हमारी सारी शारीरिक-मानसिक ऊर्जा इस बात पर खर्च हो रही है कि हम दूसरे से बेहतर, होशियार और आगे कैसे नजर आएं बजाय अपनी जरूरत पर आधारित अपनी बेहतरी के प्रयास के, हम इन अर्थहीन मसलों में उलझे रहते हैं।

कहने का सार यही है कि शांतिपूर्ण और सुकूनदायक जिंदगी के लिए ज्यादा ऑप्शंस के मोहजाल से बचे रहना जरूरी है। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

नहीं होता जहां कुछ भी

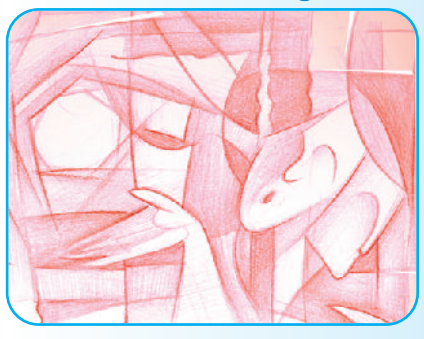

नहीं होता जहां कुछ भी ख़याले-ख़ाम होता है
उसे सुनता नहीं कोई जो किस्सा आम होता है
तुम्हारी बज़्म में जाने से मेरा कद नहीं बढ़ता
मेरे आने से महफिल में तुम्हारा नाम होता है
अजब दस्तूर है दीपक तले पलता है अंधियारा
किसी की जान जाती है किसी का काम होता है
हकीकत आ ही जाती है निगाहों में जमाने की
बुराई का हमेशा से बुरा अंजाम होता है
फकत इज्जत की खातिर बोली जाती हैं कई बातें
वहां मुद्दा नहीं रहता जहां कुहराम होता है
भले बनकर रहा करते हैं मीठा बोलने वाले
खरा कहता है, जो अकसर वही बदनाम होता है
उन्हें अफसोस होगा जो कभी मुझसे न मिल पाए
मेरी हर बात पे 'नवरंग' कोई पैगाम होता है

कहानी / सरस्वती रमेश

आज डॉक्टर गुप्ता की क्लीनिक में बहुत भीड़ थी। सामने बेंच पर एक महिला बैठी हुई थी। उसकी साड़ी एकदम मलिन थी, हाथ-पैर धूल में नहाए। लग रहा था कोई मजदूर है। कहीं से काम करके लौटी है। उसकी गोद में एक चार-पांच साल का बच्चा था। बच्चा एकदम सुस्त पड़ा था। डॉक्टर गुप्ता ने बच्चे की नाड़ी देखी। आंखों की पुतलियां जांचकर बोले, 'दस्त से शरीर में पानी की कमी हो गई है। ग्लूकोज चढ़ाना पड़ेगा।'

डॉक्टर की बात सुनकर महिला सहम-सी गई। एक पल ठिठक कर उसने सकुचाते हुए पूछा,'कितने पैसे लगेंगे डॉक्टर साहब?'

'दो सौ रुपए ग्लूकोज के और दवाइयों के अलग से।' डॉक्टर ने बताया। 'हमारे पास तो बस सौ रुपए हैं।' महिला मुट्ठी में रुपए दबाए हुई थी। उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं।

'तो और पैसे घर से ले आओ।' डॉक्टर सख्त लहजे में बोला और दूसरा मरीज देखने लगा।

'तुम बालमुकुंद की घरवाली हो ना?' डॉक्टर की बात सुनकर पास खड़े एक व्यक्ति ने महिला से पूछा। उसने सिर हिला कर हामी भरी और उस व्यक्ति से पूछा, 'आप कौन?'

'मेरा नाम विमल है। मैं बालमुकुंद को जानता हूं। वह राज मिस्त्री है ना। मेरा घर उसी ने बनाया था। आजकल कहां है वह, दिखाई नहीं देता?' विमल ने पूछा।

'उनके पैर पर लेंटर गिर पड़ा था। पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। दो महीने से खाट पर पड़े हैं।' महिला बहुत ही दुखी स्वर में बोली। 'अरे ! यह तो बड़े तकलीफ की बात है। ये बच्चा तुम्हारा है?' विमल ने बच्चे की ओर इशारा करके पूछा।

'हां, ये हमारा बेटा है। इसकी तबीयत बहुत खराब है।' कहकर महिला रुआंसी हो गई।

सबसे बड़ा है प्रेम, दया-करुणा का इंसानी रिश्ता। बरसों पहले इसी रिश्ते का बीज बोया था विमल ने। उन्हें क्या पता था कि अनजाने में बोए इस बीज के अंकुर एक दिन तब फूटेंगे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत होगी। मानवीय रिश्तों पर आधारित दिल को छूने वाली कहानी।

करुणा का बीज

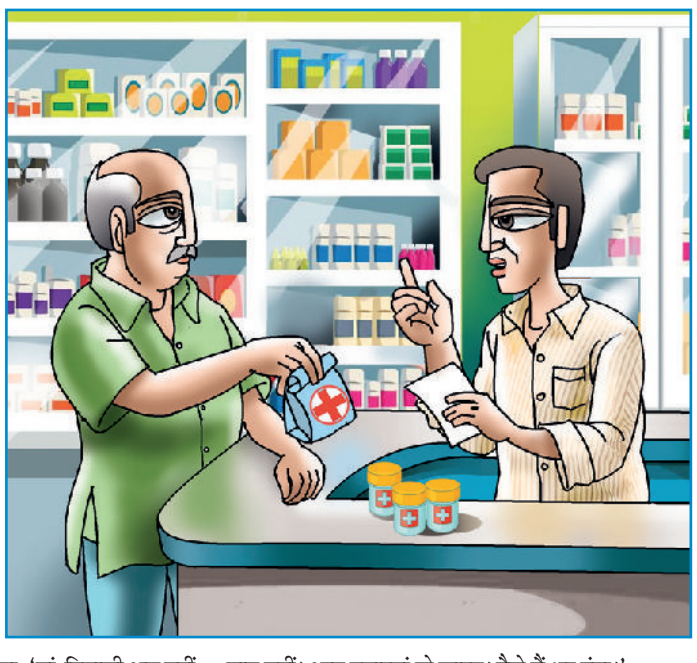

विमल को महिला की स्थिति पर बहुत दया आई। वह जानते हैं, बालमुकुंद अच्छा मिस्त्री ही नहीं, एक अच्छा इंसान भी है। हाथ में हुनर है लेकिन बेचारा आजकल खाट पर पड़ा है। विमल समझ गए, घर चलाने के लिए जरूर बालमुकुंद की घरवाली लेबर का काम कर रही है। विमल ने डॉक्टर से कहा, 'आप इस बच्चे का इलाज करिए, पैसे मैं दूंगा।'

डॉक्टर बच्चे का इलाज करने के लिए राजी हो गया। विमल डॉक्टर के बताए पैसे देकर चले गए। इस बात को बीस वर्ष बीत गए। विमल अब बूढ़े हो चुके थे। उनके कोई संतान नहीं थी। वह पत्नी के साथ रहते थे। वृद्धावस्था का एकमात्र सहारा उनकी छोटी सी पेंशन थी। लेकिन दोनों बुढ़ापे के रोगों से परेशान रहते थे। पेंशन उनकी दवाइयों और घर खर्च के लिए काफी नहीं थी। एक दिन विमल मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे थे, तभी वहीं मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवा पर उनकी नजर ठहर गई। बिल्कुल बालमुकुंद के जैसी कद काठी, नयन-नक्श भी वही। विमल ने उस युवक से पूछ ही लिया, 'तुम बालमुकुंद के बेटे हो?'

'हां, अंकल, आप कौन हैं?' उस युवक ने पूछा।

विमल ने बताया, 'मैं तुम्हारे पिता को जानता हूं। उन्होंने बरसों पहले मेरा घर बनाया था। मेरा नाम विमल है।'

'आप वही विमल अंकल हैं, जिन्होंने बचपन में एक बच्चे का इलाज करवाया था?'

एक क्षण विचारमग्न होने के बाद विमल ने मुस्कुराते हुए हां में सिर हिला दिया।

युवक हंसते हुए बोला, 'मैं वही बच्चा हूं, कृष्णा। बालमुकुंद जी का बेटा।'

'अरे! तुम तो बहुत बड़े हो गए।' विमल ने युवक को ध्यान से ऊपर से लेकर नीचे तक देखा।

कृष्णा बहुत भावुक हो गया, बोला, 'मां-पिताजी अब नहीं रहे। मां बताया करती थीं कि उस समय मैं आपकी वजह से जीवित बच पाया था। पिताजी आपको बहुत नेक इंसान मानते थे। अंकल आपको क्या चाहिए हमें बताइए?'

विमल हड़बड़ा गए। अपने थैले से दवाई की पर्ची निकालकर बोले, 'बेटा, ये दवाइयां दे दो।'

कृष्णा ने पर्ची देखकर दवाइयां निकाल दीं। साथ में 570 रुपए का बिल पकड़ा दिया। विमल अपनी दायीं-बायीं, ऊपर नीचे की सारी जेबें टटोल कर पैसे निकालने लगे, लेकिन सारे पैसे निकालने के बाद भी पैसे पूरे नहीं पड़े। कृष्णा को यह बात समझते देर ना लगी। वह विमल से बोला, 'अंकल, कोई बात नहीं। आप दवाइयां ले जाइए। पैसे मैं भर दूंगा।'

'अरे नहीं बेटा, मैं दवाइयां बाद में ले जाऊंगा।' विमल झेंप रहे थे। कृष्णा ने जबरदस्ती विमल को दवाइयां पकड़ा दीं। साथ में अपना मोबाइल नंबर देते हुए बोला, 'अंकल, आपको जब भी किसी दवाई की जरूरत पड़े, आप मुझे फोन कर दीजिएगा। यहां आने की आपको जरूरत नहीं है। और ना आप पैसों की चिंता करना। मैं हूं ना, आपके बेटे के समान हूं। आपके घर दवा पहुंचा दूंगा।' यह सुनकर विमल की आंखें भर आईं। बीस साल पहले अनजाने ही एक रिश्ते का बीज पड़ गया था। अब वह अंकुरित होकर बाहर झांक रहा था, पल्लवित-पुष्पित होने के लिए। *

बारिश के मौसम में केरल के विभिन्न इलाकों में आयोजित होने वाली सर्प नौका दौड़, अपने अनोखेपन के कारण विश्वविख्यात है। इस सांस्कृतिक आयोजन में गीत-संगीत की मधुरता के साथ ही खेल का रोमांच भी शामिल होता है। इसे देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसकी विशिष्टताओं पर एक नजर।

अनोखी-मनोहारी केरल की नौका दौड़

{ कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक }

अपने देश के दक्षिणी राज्य केरल में मानसून शुरू होते ही, मनोहारी सर्प नौका दौड़ के आयोजन शुरू हो जाते हैं। इस साल पिछले महीने 22 जून 2024 से उसका आगाज हो चुका है और अब यह सितंबर 2024 तक पूरे केरल में अनेक जगहों पर भव्यता के साथ संपन्न होती रहेगी। इन्हें देखने के लिए यहां देश-विदेश के लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

गीत-संगीत-खेल की जुगलबंदी

'चुंडनवल्लम' या 'स्नेक बोट' वास्तव में फुंफकारते सांप सी दिखने वाली एक लंबी पारंपरिक डोंगी शैली की नाव होती है, जो अमूमन 100 से 120 फीट तक लंबी होती है। इन नौकाओं पर 4 नाविक-गायकों के समूह से लेकर 100-125 नाविक-गायक तक सवार हो सकते हैं। नौका दौड़ के दौरान, नाविक नदी या बड़ी-बड़ी झीलों में बहुत तेज गति से नाव भगाते हैं। इस दौरान उन नावों पर सवार गायक और नाविक, केरल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगत में 'वंचिपट्टू' यानी सामूहिक लय वाला नौका गीत गाते हैं। यह गायन नाविकों का उत्साह बढ़ाने के लिए होता है। इस नौका दौड़ में गायक और नाविक अकसर एक ही होते हैं, इसलिए कोई नाविक, नाव चलाते (खेते हुए) हुए अगर महसूस करता है कि उसकी तरफ का गीत-संगीत कमजोर हो रहा है, तो वह कोई वाद्य बजाने लगता है। इसी तरह जरूरत पड़ने पर कोई कलाकार गाना या बजाना छोड़कर, चप्पू थामकर नाव चला सकता है, ताकि प्रतिद्वंद्वी नाव से उसकी नाव पीछे ना रहे। इस दौरान गीत-संगीत और खेल की जुगलबंदी देखते ही बनती है।

सदियों पुरानी परंपरा

केरल में सर्पिल नौका दौड़ के आयोजन की सदियों पुरानी परंपरा है।

माना जाता है कि करीब 400 सालों से केरल में स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जा रहा है। इसके शुरू होने के पीछे एक प्रसिद्ध किंवदंती यह है कि प्राचीनकाल में विभिन्न रियासतों के राजा, एलेप्पी (अलप्पुझा) और उसके आस-पास के इलाकों के जलमार्गों का इस्तेमाल, एक-दूसरे के विरुद्ध लड़ने के लिए करते थे। इन जलयुद्धों के दौरान वे एक-दूसरे पर भारी पड़ने के लिए सटीक हल्की और पानी को तीव्रता से काटने वाली डोंगीनुमा नावों का इस्तेमाल किया करते थे, जिनका अगला सिरा फुंफकारते सांप के फन जैसा बनाया जाता था और इसे खूंखार दर्शाने के लिए इसे लाल, काले और गेरुए रंग से रंगते थे। धीरे-धीरे ये जलयुद्ध तो खत्म हो गए, लेकिन बेहतरीन नाव वास्तुकारों के द्वारा बनाई गई स्नेक बोट बची रहीं, जिनके चलते इस आधुनिक स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जाने लगा। इसके जरिए लोगों ने सालों में विकसित हुई इस कुशलता की परंपरा को बरकरार रखा और रेस के जरिए हार-जीत के रोमांच को भी इसमें शामिल कर लिया। इस तरह धीरे-धीरे हर साल मानसून के महीनों में जून के अंतिम या जुलाई के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर तक सर्प नौका दौड़ों और बेहतरीन सांस्कृतिक संगीत के आयोजन की परंपरा शुरू हो गई।

विशिष्ट होते हैं चार आयोजन

वैसे तो पूरे केरल में जगह-जगह स्थानीय सर्प नौका दौड़ आयोजित होती हैं। लेकिन जिन चार सर्प नौका दौड़ों को केरल सहित पूरी दुनिया में बहुत उत्सुकता से देखा और इंतजार किया जाता है, वे हैं- चंपाकुलम सर्प नौका दौड़, नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस, अरनमुला स्नेक बोट रेस और पयिप्पड़ जलोत्सवम। मानसून की शुरुआत में सबसे पहले चंपाकुलम नौका दौड़ शुरू होती है। यह सबसे प्राचीन और लोकप्रिय स्नेक बोट रेस है। इस स्नेक बोट रेस में, अंबलप्पुषा के श्रीकृष्ण मंदिर में भगवान की मूर्ति की स्थापना का जश्न मनाया जाता है। इस जश्न के दौरान 25 किलोमीटर की यह सर्प नौका दौड़ भी आयोजित की जाती है, जो एलेप्पी से शुरू होकर चंपक्कुलम नदी में चंगनास्सेरी तक जाती है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक उमड़ते हैं। इसके अलावा नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस का आरंभ 1952 में हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पुन्नमदा झील में आयोजित इस रेस को देखने आए थे। तभी से यह नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस आयोजित की जा रही है। तीसरी मशहूर स्नेक बोट रेस अरनमुला की है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की दो दिवसीय धार्मिक उत्सव की परंपरा शामिल है। यह त्रिवेंद्रम से 116 किलोमीटर दूर आयोजित होती है। चौथी स्नेक बोट रेस, पयिप्पड़ जलोत्सवम है। यह भी एलेप्पी से 35 किलोमीटर दूर संपन्न किया जाता है।

इस तरह मानसून के दौरान पूरे केरल में चारों तरफ स्नेक बोट रेस का रोमांच दिखाई पड़ता है। *

उत्साह से हिस्सा लेते हैं स्थानीय लोग

लहराते ताड़ के पेड़ों, नदियों, झीलों, आवासीय परिसरों के पीछे शांत बैक वाटर्स और इस तरह की विविध जलराशियां, जो पूरे केरल में हर ओर बिखरी हुई हैं, उन सबमें मानसून के आते ही सर्प नौका दौड़ की रौनक और उत्साह नजर आने लगता है। अपनी सांस्कृतिक आयोजन की धरोहर को संजोने के लिए स्थानीय लोग पूरे उत्साह-उमंग से इसमें हिस्सा लेते हैं। केरल का अनेक गांव के निवासी इस मौके पर अपनी शक्ति और संगीत परंपरा में दक्षता साबित करने के लिए अपनी-अपनी नावों के साथ इस सर्प नौका दौड़ में शामिल होते हैं और इससे बहुत गर्व महसूस करते हैं। मानसून के आते ही पूरे केरल में स्नेक बोट रेस की मस्ती और धूम छा जाती है। पिछले कुछ दशकों से इस मस्ती और उत्सव का हिस्सा बनने के लिए देश के विभिन्न कोने सहित विदेश से भी लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

{ मनी मैटर्स / शैलेंद्र सिंह }

क्रेडिट स्कोर तीन अंकों की एक ऐसी संख्या है, जो आज की तारीख में हमारे फाइनेंसियल स्टेटस और क्रेडेबिलिटी का पैमाना बन चुका है। अगर आप क्रेडिट कार्ड या लोन लेना चाहते हैं तो क्रेडिट स्कोर के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए।

फाइनेंसियल क्रेडेबिलिटी का क्राइटेरिया है क्रेडिट स्कोर

आज की तारीख में आप चाहे निम्न मध्यवर्ग के हों, मध्यवर्ग के हों या उच्च मध्यवर्ग के। किसी भी वर्ग के हों, लेकिन बिना बाजार से लोन लिए प्रायः जिंदगी सहजता या कहें सभी सुख-सुविधाओं से नहीं चलती। आज जिंदगी का चक्र कुछ इस तरह का हो गया है कि लोन के दरवाजे से होकर गुजरना ही पड़ता है। चाहे बच्चों को पढ़ाना हो, चाहे घर बनाना हो, चाहे सोशल स्टेटस के लिए कार खरीदनी हो, घर सजाना हो, बिजनेस करना हो या कुछ भी ऐसा काम, जिसमें एक ठीक-ठाक पूंजी की जरूरत होती है, वह पूंजी अब हमें आसानी से लोन के जरिए महज कुछ शर्तों पर उपलब्ध हो जाती है। लेकिन यह सुविधा उन्हीं के लिए बहुत सहज रूप से उपलब्ध है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।

गुड क्रेडिट स्कोर के फायदेः बैंक और वित्तीय कंपनियों की नजर में जो अच्छे उधार लेने वाले हैं यानी उधार लेने के बाद समय पर किस्त चुकाते हैं, बिना मतलब की कोई बाधा नहीं खड़ी करते, लोन चुकाने में आना-कानी नहीं करते, जल्दी से जल्दी कर्ज चुकाने की कोशिश में लगे रहते हैं। बैंकों और वित्तीय संस्थानों की नजर में ऐसे लोग अच्छे सिबिल स्कोर या बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले और ईमानदार कर्ज लेने वाले होते हैं। ऐसे ही लोगों को बैंक और वित्तीय संस्थान बार-बार कर्ज देना चाहते हैं।

क्या है गुड-बैड क्रेडिट स्कोरः भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो मिलकर किसी का क्रेडिट स्कोर तैयार करते हैं। इनमें एक है इक्विफिक्स, ट्रांसयूनियन सिबिल, एक्सपीरियन और सीआरआईएफ हाईमार्क। ये चार ब्यूरो किसी भी व्यक्ति के पुनर्भुगतान, लिए गए लोन की उपयोगिता, कर्ज लेने के पैटर्न और कर्ज लेने की हिस्ट्री को देखकर उसका क्रेडिट स्कोर तय करते हैं। वास्तव में क्रेडिट स्कोर 300 से 900 अंकों के बीच की संख्या होती है। इस संख्या में अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 है तो यह अच्छा माना जाता है। 700 से ऊपर है तो और अच्छा माना जाता है और अगर 800 या उसके पार है तब तो बहुत अच्छा माना जाता है। आपका जितना अच्छा क्रेडिट स्कोर होगा, बैंक आपको उतने ही कम ब्याज दर पर कर्ज देने का प्रस्ताव देंगे और जितना कम क्रेडिट स्कोर होगा, आपको उतनी ही ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज मिलेगा। अगर आपका क्रेडिट स्कोर उच्चतम श्रेणी यानी 760 से 850 के बीच में है तो आपसे लोन देने वाला अधिकतम 3.307 प्रतिशत ब्याज ले सकता है। मतलब यह कि आरबीआई के रेपो रेट से आपको 3.307 प्रतिशत और ब्याज दर देनी होगी। मान लीजिए रेपो रेट 3.5 प्रतिशत है तो आपको बैंक कुल 6.3 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण दे देंगे। लेकिन जिसका स्कोर सिर्फ 300 से 500 के बीच होता है, उन्हें अव्वल तो लोन नहीं मिलता, बहुत मुश्किल से अगर मिलता भी है, तो काफी महंगी दरों पर मिलता है।

कैसे बनाएं अच्छा क्रेडिट स्कोरः अब सवाल है कि आखिर बेहतर क्रेडिट स्कोर या बेहतर सिबिल स्कोर कैसे बनाएं? बेहतर क्रेडिट स्कोर के लिए अपने क्रेडिट कार्ड का बिल समय से भरें। अगर कोई मासिक लोन की किस्त चल रही है तो उसे ना सिर्फ नियमित रूप से दें बल्कि समय पर दें। ऐसा ना करने पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां आपके क्रेडिट स्कोर को कम कर देती हैं। क्रेडिट स्कोर बेहतर बनाए रखने के लिए लोन से जुड़े आवेदन बार-बार ना करें। यदि आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो उसका उचित इस्तेमाल करें। अगर लोन चुकाने में असमर्थ हैं तो सेटलमेंट या समझौता कभी ना करें, इससे तात्कालिक तौर पर आपको राहत मिल जाती है, लेकिन इससे क्रेडिट स्कोर बहुत लंबे समय तक प्रभावित रहता है। *

क्लासिक पोंप डोर

{ मेल जोन / विवेक कुमार }

एक सुटेबल-परफेक्ट हेयर स्टाइल, आपको आपकी वास्तविक उम्र से 10 साल कम का दिखा सकती है। पुरुषों के लिए ऐसे ही पांच हेयर स्टाइल्स के बारे में जानिए।

यंग लुक के ट्रेंडी हेयरस्टाइल्स

अपनी रियल एज से कम का दिखना अधिकतर लोगों की चाहत होती है। ऐसे लुक के लिए आपकी हेयरस्टाइल भी बहुत मायने रखती है। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अट्रैक्टिव अंडरकटः पिछली सदी में 70 का दशक हो, 90 का दशक हो या मौजूदा दशक हो। पुरुषों का यह आकर्षक हेयरस्टाइल 'अंडरकट' बार-बार लौटकर आता है। खासकर थोड़े लंबे पुरुषों में तो यह हेयर कट एक ही शख्स की पर्सनालिटी अलग-अलग एंगल से अलग-अलग दिखाने लगता है। आपको शायद पता ना हो कि यह हेयर स्टाइल 125 साल पुराना है। साल 1900 में पहली बार यह हेयरस्टाइल जर्मनी में कुछ पुरुषों ने अपनाया था, फिर वहां से अमेरिका पहुंचा और देखते ही देखते सारी दुनिया में छा गया। अंडरकट एक एवरग्रीन हेयरकट ऑप्शन है। फुटबॉल प्लेयर डेविड बेकहम से लेकर क्रिकेटर विराट कोहली तक इसे आजमाते रहते हैं।

क्लासिक क्विफः यह भी काफी पुराना हेयरस्टाइल है। इससे पुरुषों के बाल घने दिखते हैं, क्योंकि किनारे छोटे दिखते हैं और जैसे-जैसे बाल ऊपर चलते हैं, बड़े होते रहते हैं या कम से कम इतने कि कंघी किया जा सके। भारतीय क्रिकेट टीम के बैट्समैन सूर्यकुमार यादव अकसर क्लासिक क्विफ में दिखते हैं। एक जमाने में रिकी पोंटिंग और रणवीर सिंह भी यह हेयरस्टाइल अपनाते थे। इसके लिए आपको कुछ हेयर वैक्स की आवश्यकता होती है। दरअसल, क्लासिक क्विफ एक ऐसा हेयर स्टाइल है, जिसने एक जमाने में पश्चिम में 'कल्ट' की हैसियत हासिल कर लिया था। क्योंकि इसे एल्विस प्रेसली जैसे सुपरस्टार कैरी करते थे। एल्विस के साथ रॉक बिली भी इस स्टाइल के दीवाने थे। बाद में एक लंबे समय तक यह संगीतकारों, विशेषकर युवा संगीतकारों का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया। इससे बाल पॉलिश किए गए लगते हैं।

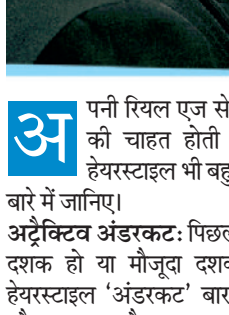

क्लासिक पोंप डोरः यूरोप में यह 1990 में और भारत में 2010 के बाद काफी लोकप्रिय हुआ। हालांकि भारत के पड़ोस, नेपाल में यह हेयर स्टाइल भारत से करीब एक दशक पहले आ गया था। किनारों और पीछे से छोटे ऊपर के बाल लंबे अंडाकार सिर में तो यह बहुत ही खास लगते हैं। अगर आपके बाल घुंघराले हैं तो भी यह स्टाइल आपके लिए खास है, लेकिन अगर सीधे और लहरदार हैं तो भी यह स्टाइल आप पर सूट करेगा। इसमें कंघी करना या यूं ही ढीला और स्टाइलिश छोड़ देना सब चलता है।

क्रू कटः पुरुषों के हेयरस्टाइल में इस स्टाइल का भी जवाब नहीं। यह वास्तव में मल्टी डायमेंशनल स्टाइल है, क्योंकि यह बूढ़ों को भी पसंद है और जवानों को भी, साथ ही टीनएजर भी इसे आजमाते हैं। इसके चलते सिर के पीछे के बाल बेहद छोटे होते हैं, साइड में छोटे होते हैं, सिर्फ खोपड़ी के 20 फीसदी हिस्से में ही बाल होते हैं। मानो हर जगह से बाल कटने के बाद यह स्टाइल पूरी कर दी गई हो। आजकल ये कैजुअल हेयरस्टाइल है, जो महिलाओं को काफी पसंद है। इसलिए भी पुरुष इसे कैरी करते हैं। क्रू कट के साथ यही अच्छी बात है कि इसे एक अच्छी जॉब करने वाला भी कैरी कर सकता है और दिनभर आम लोगों के बीच घूमने वाला व्यक्ति भी।

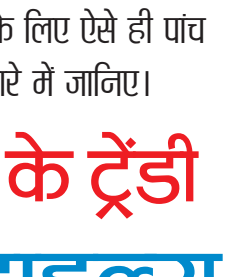

आर्मी कटः आर्मी कट को बज कट भी कहते हैं। यह भी बेहद आकर्षक, पुराना और एनर्जेटिक हेयर स्टाइल है। ज्यादातर देशों की सेना अपने जवानों के बालों को लेकर सजग रहती हैं। वह उन्हें बड़े बाल नहीं रखने देतीं, जिससे कि वे बेतरतीब और अस्त-व्यस्त ना दिखें। बज कट बहुत आसान कट भी है। इसे इलेक्ट्रिक क्लिपर्स के साथ प्रॉप किया जाता है और बालों को तेज और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सैलून की नियमित यात्रा करनी होती है, कम से कम हर एक महीने बाद। *

{ बॉलीवुड फिल्में / डी.जे.नंदन }

फर्स्ट हाफ ईयर-2024 हिट हुईं कम-फ्लॉप हुईं ज्यादा

हिंदी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से वर्ष 2024 की पहली छमाही बहुत अच्छी नहीं रही। इस दौरान बिग स्टार्स की फिल्में तो कई रिलीज हुईं लेकिन उनमें से कुछ ही बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से हिट रहीं। जनवरी से जून तक रिलीज्ड फिल्मों के कलेक्शन पर एक नजर।

कल्कि 2998 एडी

फाइटर

कारोबार के लिहाज से बॉलीवुड के लिए साल 2024 की शुरुआत खट्टी-मीठी रही है। इस दौरान कुछ फिल्में तो हिट रहीं लेकिन ज्यादातर अपनी लागत भी नहीं निकाल पाईं।

जनवरीः 12 जनवरी 2024 को कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'मैरी क्रिसमस', जिसकी लागत 50 करोड़ रुपए थी, फ्लॉप रही। यह महज 18 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर सकी। करीब यही हाल पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म 'मैं अटल हूं' का भी रहा। 25 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह फिल्म बमुश्किल 7 करोड़ रुपए भी नहीं कमा सकी। 'बॉलीवुड मूवी रिव्यूज डॉट कॉम' वेबसाइट के मुताबिक इसकी कमाई कुल 6.4 करोड़ रुपए रही। इस तरह यह फिल्म भी सुपरफ्लॉप रही। 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई रितिक रोशन-दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' हिट रही। 225 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस फिल्म ने कुल 325 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

फरवरीः साल का दूसरा महीना फरवरी भी कुछ ऐसा ही रहा। 23 फरवरी 2024 को यामी गौतम और प्रियामणि स्टारर फिल्म 'आर्टिकल 370' जिसकी लागत 40 करोड़ रुपए थी, देश में ही इसने 70 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। इस फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 110 करोड़ रुपए रहा। इसी महीने आई फिल्म 'क्रैक' सुपरफ्लॉप साबित हुई। विद्युत जामवाल और जैकलीन फर्नांडिस स्टारर फिल्म 'क्रैक' की कॉस्ट करीब 80 करोड़ रुपए थी। लेकिन पूरे देश में इसका कलेक्शन 13 करोड़ रुपए भी नहीं हो सका। इससे भी ज्यादा बुरा हाल इस महीने रिलीज कई छोटी-छोटी फिल्मों का रहा। मसलन, भूमि पेंडनेकर और संजय मिश्रा की 'भक्षक', सतीश कौशिक और राज बब्बर की 'मिर्ग', अनुपम खेर और गुरु रंधावा की 'कुछ खट्टा हो जाए', ये सब फिल्में कब आईं और कब चली गईं, किसी को पता ही नहीं चला। हां, इस माह जो एक और फिल्म अच्छी चली, वह शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर 'तेरी बातों में ऐसा उलझा' रही। इसकी लागत महज 65 करोड़ रुपए थी और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 170 करोड़ रुपए से भी ज्यादा रहा।

मार्चः अब अगर मार्च 2024 में आई ज्यादातर फिल्में, चाहे वो 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' हो, रवीना टंडन और सतीश कौशिक स्टारर 'पटना शुक्ला' हो, देवोलीना भट्टाचार्य और सोहेला कपूर स्टारर 'बंगाल 1947' हो, इन सबका बुरा हाल रहा। इस महीने अपनी लागत निकालने वाली फिल्मों में रणदीप हुड्डा और अंकिता लोखंडे स्टारर 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' और कुणाल खेमू डायरेक्टेड 'मडगांव एक्सप्रेस' रहीं। बाकी सिद्धार्थ मल्होत्रा और दिशा पाटनी स्टारर 'योद्धा' भी फ्लॉप रही, जो 55 करोड़ रुपए की लागत में बनी थी लेकिन 35 करोड़ रुपए भी नहीं वसूल कर पाई। इसी महीने रिलीज्ड तब्बू और करीना कपूर स्टारर 'क्रू' जरूर सफल रही, जो 60 करोड़ रुपए की बजट में बनी और वर्ल्डवाइड करीब 150 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस तरह देखें तो पहले तीन महीने का रिपोर्ट कार्ड ठीक-ठाक रहा। जनवरी से मार्च 2024 के बीच आधा दर्जन से ज्यादा फिल्मों के बिजनेस से बॉलीवुड के कारोबार को बूम मिला।

अप्रैलः अब अगर अप्रैल से जून की बात करें तो कलेक्शन बेहतर होने के बजाय और बदतर हुआ। लोकसभा चुनाव, बोर्ड एग्जाम और आईपीएल के कारण कई सारी फिल्में बिना चर्चा के आईं और आकर चली गईं।

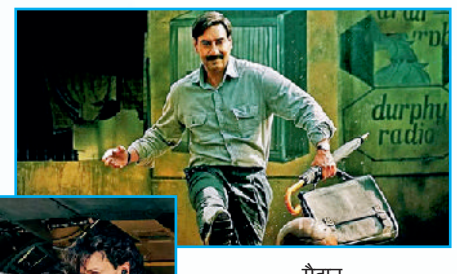

मैदान

बड़े मियां-छोटे मियां

मसलन, विद्या बालन और प्रतीक गांधी की 'दो और दो प्यार', श्रेयस तलपड़े और तनिषा मुखर्जी की 'लव यू शंकर', जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर की 'तेहरान', आयुष शर्मा और सुश्री मिश्रा की 'रुस्लान', मौनी रॉय-तुषार कपूर की 'लव सेक्स और धोखा-2' और राजपाल यादव-जिया मानेक की 'काम चालू आहे' जैसी फिल्मों की कोई खास चर्चा नहीं हुई। हां, इस महीने इम्तियाज अली डायरेक्टेड, परिणिति चोपड़ा-दिलजीत दोसांझ स्टारर पंजाबी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' की जरूर धूम रही। अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ स्टारर 'बड़े मियां-छोटे मियां' बुरी तरह फ्लॉप रही। यही हाल अजय देवगन और प्रियामणि स्टारर 'मैदान' का भी रहा।

मईः बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से मई का हाल और बुरा रहा। इस महीने में प्रतीक गांधी की 'डेढ़ बीघा जमीन', राजकुमार राव-जान्हवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही', अनिल कपूर-दिव्या खोसला कुमार की 'सावीः ए ब्लडी हाउस वाइफ', दीपक तिजोरी और अलंकृता सहाय की 'टिप्पसी'भी असफल रहीं। इस महीने राजकुमार राव की 'श्रीकांत', मनोज वाजपेयी की 'भैय्या जी' और श्रेयस तलपड़े की 'कर्तम भुगतम' ही ऐसी फिल्में रहीं, जो अपनी लागत निकाल सकीं।

जूनः जून 2024 की बात करें तो अमिताभ बच्चन और प्रभास स्टारर 'कल्कि 2998 एडी' बाहुबली जैसी कल्ट फिल्म साबित हुई। कमाई के लिहाज से भी और दर्शकों को अपनी तरफ खींचने के लिहाज से भी। 'कल्कि' ने महज 7 दिनों में 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। इस महीने आई 'मुंज्या' भी कलेक्शन और दर्शकों की पसंदगी के लिहाज से चौंकाने वाली रही। जबकि 'शर्मा जी की बेटी', 'रौतु का राज', 'इश्क-विश्क रिबाउंड', 'हमारे बारह', 'मनिहार' और 'लव की अरेंज मैरिज' जैसी फिल्मों में से सिर्फ 'हमारे बारह' ही अपनी लागत निकालने भर की कमाई कर सकी। इस तरह देखा जाए तो मार्च के बाद अप्रैल, मई और जून में बॉलीवुड के कारोबार में पहले तीन महीनों जितनी चमक नहीं रही।

कुल मिलाकर साल 2024 के पहले छह महीनों में कमाई कम, नुकसान ज्यादा हुआ है। लेकिन जिस तरह से 'कल्कि' ने दर्शकों को रोमांचित किया, उससे लगता है कि अगले छह महीने में आने वाली कई बड़ी फिल्में बॉलीवुड के बेहतर बिजनेस की उम्मीदें पूरा करेंगी। *